{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 07 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 314
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,581.00
निफ्टी	-	24,624.65
सोना	-	1,54,121
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	95.06

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देश के युवाओं के बारे में बोलते हुए कहा...

जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त

–हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में किए जा रहे एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसका आयोजन इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस अपनी 15वीं वर्षगांठ पर किया है।

हाल ही में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन और प्रदर्शनकारियों को राष्ट्र-विरोधी कहे जाने पर मोहन भागवत ने कहा कि अगर जेन-जी विरोध कर रहा है, तो वे राष्ट्र-विरोधी नहीं हैं। वे हमारे ही लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं... मुझे नहीं लगता कि जेन-जी ऐसे हैं... मुझे लगता है कि नई पीढ़ी - जेन-जी और जेन- अल्फा हमारी मौजूदा पीढ़ी से अधिक ईमानदार है और देशभक्त हैं।

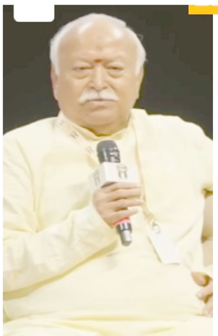

अगर Gen-Z आंदोलन कर रही है, तो इसका मतलब यह नहीं कि वह एंटी-नेशनल है। वे अपने ही लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं। उनसे हमारा संबंध है। जैसे उन्हें हमारी बात समझनी चाहिए वैसे ही हमें भी उनकी बात समझनी चाहिए।

मोहन भागवत
RSS प्रमुख

आरएसएस में महिलाएं बराबरी से बढ़ रहीं

एक सवाल के जवाब में भागवत ने कहा कि जितने भी आरएसएस के संघ हैं, उनमें महिलाएं बराबरी से आगे बढ़ रही हैं। संघ ने महिलाओं के लिए अलग विंग बनाया है। अगर एपेक्स बॉडी की बात करें, तो वे फील्ड में काम करती हैं और उनके विचार माने जाते हैं। महिलाओं की भागीदारी के बारे में सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के परिप्रेक्ष्य में यह तय है कि उन्हें आगे आना चाहिए। उन्हें समान अधिकार मिलें, उन्हें बराबरी का हक मिले।

किसी नौकरी को छोटा-बड़ा न मानें

भागवत ने कहा कि मैं यह भी देखता हूं कि वर्कर्स को हेय दृष्टि से देखा जाता है। पान का ठेला चलाने वाला भी 29 लाख की प्रॉपर्टी तैयार कर सकता है, यह तो एक उदाहरण है। सभी को सरकारी नौकरी मिल जाएगी, यह संभव नहीं है। अगर हम सोचेंगे कि बिना परिश्रम किए पैसा मिल जाए, तो यह संभव नहीं है। बेरोजगारी तभी जाएगी, जब नौकरी को छोटा-बड़ा न मानें।

आज की पीढ़ी अपने सवालों के जवाब चाहती है

जेन-जी के बारे में मोहन भागवत ने कहा कि जब हम जेन-जी या जेन-अल्फा पीढ़ी का हिस्सा थे, तो हम अपने बड़ों की बात सुनते थे। लेकिन आज की पीढ़ी अपने सवालों के जवाब चाहती है। अगर कोई रिश्ता हो, तो वे जवाब जरूर मिल जाएंगे। इस तरह का संवाद जरूरी है लोकतंत्र इसी तरह काम करता है। जेन-जी की शिकायतें सही हैं। भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ करने की जरूरत है। बातचीत बहुत जरूरी है। अंग्रेजी में जिसे 'डिबेट' कहते हैं, उसे हम 'शास्त्रार्थ' (बौद्धिक चर्चा) कहते हैं। बच्चों के साथ ये करना बहुत जरूरी है।

राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति रद्द, कांग्रेस सांसद बोले...

छात्रों की गूंज की सफलता देख घबरा गई सरकार

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। आठ अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में होने वाले इस कार्यक्रम की मंजूरी आखिरी समय में रद्द कर दी गई। इसके बाद राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें छात्रों के हक की आवाज उठाने से कोई नहीं रोक सकता। छात्रों की गूंज की सफलता देख घबरा गई सरकार वहीं केपी ग्राउंड में राहुल के प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए केपी ट्रस्ट द्वारा अनुमति रद्द किए जाने के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष 8 अगस्त को प्रयागराज आएंगे और छात्रों से संवाद करेंगे।

अजय राय ने कहा कि यह शहीदों और प्रतियोगी छात्रों की धरती है और यहां शुरू से प्रतियोगी छात्र अपना भविष्य तलाशते रहे हैं। राहुल जी 8 अगस्त को यहां आएंगे और बच्चों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा सरकार और प्रशासन से आग्रह है कि हमें वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराए क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारे नेता राहुल गांधी बच्चों से संवाद करें। कार्यक्रम की रसीद से स्पष्ट है कि वहां खेल खिलाया जाता है। शनिवार शाम को कॉलेज बंद रहेगा और अगले दिन रविवार है। सरकार राहुल गांधी से घबरा गई है।

आवाज उठाने से रोक नहीं सकते

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र लंबे समय से फीस बढ़ोतरी और सीटों में कटौती जैसे मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार छात्रों की समस्याएं सुनने के बजाय उन पर मुकदमे दर्ज कर रही है और उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। राहुल ने यह भी कहा कि सवाल पूछने वालों पर लाठीचार्ज होता है, विरोध करने वालों पर एफआईआर दर्ज होती है और अब छात्रों से संवाद का कार्यक्रम भी रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

भाजपा सरकार बाधाएं खड़ी कर रही

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार चाहे कितनी भी बाधाएं खड़ी करने की कोशिश करे, विपक्ष के नेता का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम 8 अगस्त को प्रयागराज की पवित्र भूमि पर हर हाल में आयोजित होगा।

खास खबर

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा

पणजी। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीडन् किया। हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

राज्यसभा में कांग्रेस ने नीरज डांगी को बनाया नया व्हिप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राज्यसभा में अपनी संसदीय रणनीति को मजबूत करने के उद्देश्य से राजस्थान से राज्यसभा सांसद नीरज डांगी को पार्टी का नया व्हिप नियुक्त किया है। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। यह पद महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद रजनी अशोकराव पाटिल के कार्यकाल समाप्त होने के बाद रिक्त हुआ था। गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में नीरज डांगी की नियुक्ति की घोषणा की गई। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) जयराम रमेश ने भी इस निर्णय की जानकारी साझा की। संसदीय व्यवस्था में व्हिप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। व्हिप सदन में पार्टी के सांसदों के बीच समन्वय बनाए रखने, महत्वपूर्ण विधेयकों और चर्चाओं के दौरान सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा पार्टी की रणनीति के अनुरूप मतदान कराने की जिम्मेदारी निभाता है।

15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून एक बार फिर देश के कई हिस्सों में सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 7 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल समेत कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के करीब 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भारी बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार हो रही बारिश के बीच 7 अगस्त को भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है।

कुछ ना कहना

एससी-एसटी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' नहीं लागू हो सकती - केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम हलफनामा दाखिल किया है। सरकार ने आरक्षण के भीतर आय आधारित उप-कोटा लागू करने की मांग वाली याचिका का विरोध करते हुए कहा कि आरक्षण का आधार केवल आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन है। केंद्र ने स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में अन्य पिछड़ा वर्ग की तरह 'क्रीमी लेयर' का सिद्धांत लागू नहीं किया जा सकता। सरकार के मुताबिक, अनुसूचित जातियों की पहचान ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के आधार पर, जबकि अनुसूचित जनजातियों की पहचान उनकी विशिष्ट संस्कृति, भौगोलिक अलगाव और सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर हुई है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के भीतर आय आधारित उप-कोटा लागू करने की मांग की गई थी। यह याचिका वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने दाखिल की है। केंद्र ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 341, 342 और 342ए के तहत आरक्षित वर्गों की सूची में बदलाव का अधिकार संसद के पास है। सरकार ने इंदिरा साहनी, ईवी चिन्नैया, एम. नागराज और अशोक कुमार ठाकुर जैसे फैसलों का भी हवाला दिया। केंद्र ने याचिका को भ्रामक और आधारहीन बताते हुए इसे खारिज करने की मांग की है।

केंद्र सरकार ने राज्यसभा में पेश की विस्तृत जानकारी

5 साल में पीएम मोदी के विदेश दौरों पर 557 करोड़ खर्च

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों पर होने वाले खर्च को लेकर उठते रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने राज्यसभा में विस्तृत जानकारी पेश की है। विदेश राज्य मंत्री शाबिस्ता पबित्र मार्घेरिटा ने सांसद संजय सिंह और वी. सदासन के सवालों के लिखित जवाब में बताया कि 2021 से जुलाई 2026 तक प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर लगभग 557 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। हालांकि सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ यात्राओं के अंतिम बिल अभी लंबित हैं, इसलिए यह राशि आगे बढ़ सकती है।

सरकार का कहना है कि इन विदेश दौरों का उद्देश्य केवल राजनयिक मुलाकातें नहीं, बल्कि भारत के व्यापार, निवेश, रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और रणनीतिक हितों को मजबूत करना रहा है। इन यात्राओं के दौरान अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनका असर निवेश और वैश्विक साझेदारी पर पड़ा।

किस साल कौन-सी यात्रा रही सबसे महंगी

2021 में अमेरिका यात्रा पर 19.63 करोड़, 2022 में जर्मनी यात्रा पर 14.47 करोड़, 2023 में अमेरिका यात्रा पर 22.89 करोड़, 2024 में रूस की दो यात्राओं पर 16 करोड़ रुपये से अधिक, सितंबर की अमेरिका यात्रा पर 15.33 करोड़ रूपए खर्च हुए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025 प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरों का सबसे महंगा वर्ष रहा। इस दौरान उन्होंने फ्रांस, अमेरिका, मॉरीशस, थाईलैंड, श्रीलंका, सऊदी अरब, कनाडा, ब्राजील, ब्रिटेन, मालदीव, चीन, जापान और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों की यात्रा की। इन दौरों में 187.83 करोड़ रूपए खर्च हुए।

2026 का आंकड़ा अभी अधूरा

सरकार ने बताया कि 2026 में जुलाई तक 74.59 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, लेकिन फ्रांस की जून 2026 यात्रा समेत कुछ दौरों के बिल अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। ऐसे में अंतिम राशि मौजूदा आंकड़े से अधिक हो सकती है।

पुराने दौरों से तुलना

सरकार ने पुराने संसद में रिकॉर्ड भी साझा किए. इनके मुताबिक 2011 में अमेरिका यात्रा पर 10.74 करोड़ रुपये और फ्रांस यात्रा पर 8.33 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. वहीं 2013 में रूस यात्रा पर 9.95 करोड़ रुपये और जर्मनी यात्रा पर 6.02 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. सरकार का कहना है कि ये वास्तविक खर्च हैं, इनमें महंगाई या डॉलर-रुपये की विनिमय दर का कोई समायोजन नहीं किया गया है.

विदेश दौरों में समझौते और निवेश

सरकार के मुताबिक, प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का मकसद दूसरे देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना और व्यापार, निवेश, रक्षा, तकनीक, ऊर्जा व इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना है. जुलाई 2021 से अब तक इन दौरों के दौरानसैकड़ों एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं।

आसाराम को नहीं मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। आसाराम 2013 में एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीडन् के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें चौबीसों घंटे मदद के लिए अपनी पसंद का एक अनुभवी केयरटेकर रखने की इजाजत दी है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और पी बी वराले की बेंच ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की आसाराम की याचिका को अभी लंबित रखा है, लेकिन उन्हें यह छूट दी है कि अगर उनकी तबीयत बिगड़ती है तो वे अपने मामले का जिक्र कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान, राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आसाराम ने इस तथ्य को छुपाया था कि उनके वकील ने भी पैरोल के लिए आवेदन दिया था।

अमित शाह से मिलकर बोले ममता का साथ छोडने़ वाले 3 मुस्लिम सांसद

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर उफान के संकेत हैं। ममता बनर्जी से बगावत करने वाले तीन मुस्लिम सांसद यूसुफ पठान, अबु ताहिर खान और खलिलुर रहमान लगातार दूसरी बार एनडीए की बैठक में शामिल नहीं हुए। इन सांसदों ने बंगाल की बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध के स्वर उठाए हैं। गुरुवार को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल में मस्जिदों से जबरन लाउडस्पीकर उतारने के मुद्दे पर शुभेंदु सरकार का विरोध जताया। बहरामपुर से सांसद यूसुफ पठान, मुर्शिदाबाद से सांसद अबु ताहिर खान और जांगीपुर के एमपी खलिलुर रहमान ने गुरुवार को दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की।

मुर्शिदाबाद से सांसद अबु ताहिर खान ने कहा कि उन्होंने अमित शाह से मिलकर कहा कि अगर मुस्लिम कम्युनिटी के साथ कुछ होता है तो उन्हें बहुत दुख होगा। मस्जिद में अजान नहीं होगा तो क्या होगा? इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से जो बोला है उसे मान्यता दी जाए। लेकिन मस्जिद से माइक उतारना अच्छा नहीं है। हमने गृह मंत्री से इस मामले को देखने की अपील की।

भारत में अमेरिकी कानून के हिसाब से नहीं चलेगा मेटा

केंद्र सरकार की दो टूक- मेटा को भारतीय समाज के हिसाब से करना होगा काम

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मेटा और बाकी टेक कंपनियों को लेकर अपना रुख और सख्त कर लिया है। केंद्र सरकार ने मेटा को साफ शब्दों में कहा है कि भारत में कोई भी डिजिटल प्लेटफॉर्म अमेरिकी कानूनों के हिसाब से नहीं चलाया जा सकता। सरकार का मानना है कि बाकी सभी संस्थाओं की तरह इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की भी भारतीय समाज और यहां के कानूनों के प्रति पूरी जवाबदेही बनती है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि ये पूरी तरह से तकनीकी मामला है और इसके हर पहलू को गहराई से समझना जरूरी है। मेटा और सरकार के अधिकारियों के बीच हुई बैठकों में टेक्निकल डिटेल्स और डेटा लॉग्स पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों ने बताया कि संविधान का आर्टिकल 19 अभिव्यक्ति की आजादी देता है, लेकिन साथ ही ये तर्कसंगत पाबंदियों का भी प्रावधान करता है। इसी तरह रोजगार से जुड़े अधिकारों पर भी नियम लागू होते हैं। भारत सरकार का मानना है कि समाज विश्वास पर चलता है, इसलिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को इस भरोसे को हर हाल में बनाए रखना होगा। बैठक के दौरान सरकार ने इंटरनेट पर डीपफेक कंटेंट की क्वालिटी में आए सुधार पर भी गंभीर चिंता जताई। सरकार ने बताया कि मेटा के अलावा एक्स और टेलीग्राम जैसे सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के साथ भी इन मामलों को लेकर लगातार बातचीत चल रही है। वहीं, दूसरी तरफ मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने अपने प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म रेगुलेशन में हुई गड़बडियों को लेकर माफी मांगी है। मेटा ने माना है कि उसके प्लेटफॉर्म पर कई अवैध कंटेंट को बढ़ावा दिया गया था और एक खास कम्युनिटी तक पहुंच बनाने के लिए पैसे लेकर कंटेंट को बूस्ट किया है। इसके साथ ही अधिकारियों ने मेटा को साफ कर दिया है कि वो अब सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट के तहत इंटरमीडियरी के दायरे में नहीं आते, क्योंकि वो खुद तय करते हैं कि कंटेंट किसे दिखेगा।

राजपाल यादव की बढ़ती जा रही मुश्किल

नई दिल्ली। अपनी कॉमेडी से बड़ी फैन फॉलोइंग बनाने वाले बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किल बढ़ती जा रही है. चेक बाउंस का मामला ठंडा पड़ा, तो अब उनके सामने बैंक लोन की वसूली का संकट खड़ा हो गया है, जिसके चलते उनकी संपत्तियों पर नीलामी का नोटिस चस्पा किया गया है। अगले महीने 9 सितंबर को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की मुंबई ब्रांच एक्टर की शाहजहांपुर की दो संपत्तियों की नीलामी करेगी. लोन न चुका पाने के चलते ऐसा किया जा रहा है. इसे लेकर कार्रवाई करते हुए बैंक ने शाहजहांपुर में उनकी दो संपत्तियां की नीलामी का नोटिस चिपकाया है. 9 सितंबर को अभिनेता के गांव में जो उनका खेत और मकान नीलाम किया जाना है, उसकी अनुमानित कीमत 3,19, 26,000 रुपये बताई गई है. राजपाल यादव पर बैंक का 16,61,64000 रुपये का कर्ज है और सेंट्रल बैंक की ओर से दावा किया गया है कि ये रकम उनके द्वारा लिए गए लोन और उस पर लागू ब्याज के साथ है. राजपाल ने इस लोन में अपनी पत्नी राधा यादव और अपनी मां गोदावरी यादव की संपत्तियां बतौर गारंटी रखी थीं।

एटीएफ में इथेनॉल मिलाने का कोई प्रस्ताव नहीं, अफवाहों से बचें-केंद्र सरकार

-उड्डयन मंत्री बोले- सरकार यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विमानन ईंधन (एविएशन टर्बाइन फ्यूल-एटीएफ) में इथेनॉल मिलाने संबंधी खबरों को पूरी तरह निराधार और गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि सरकार यात्रियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी और हवाई सुरक्षा से जुड़ी गलत सूचनाएं अनावश्यक भय पैदा करती हैं। मंत्री ने कहा कि इथेनॉल और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। एसएएफ अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) द्वारा मान्यता प्राप्त ईंधन है, जो कठोर तकनीकी परीक्षणों और वैश्विक सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद ही उपयोग में लाया जाता है। इसलिए दोनों ईंधनों को एक-दूसरे के समान बताना भ्रामक है। सरकार का यह स्पष्टीकरण आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के उन बयानों के बाद आया, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि केंद्र सरकार भविष्य में एटीएफ में इथेनॉल मिलाने की योजना बना रही है।

अब सरकार तय करेगी यूपीआई पर चार्ज लगेगा या नहीं

लोकसभा में पास हुआ पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (संशोधन) विधेयक

नई दिल्ली। आजकल हर जगह पेमेंट के लिए हम अपना स्मार्टफोन निकालते हैं और क्यूआर कोड स्कैन कर देते हैं। बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के पलक झपकते ही पैसा ट्रांसफर हो जाता है। डिजिटल पेमेंट की इसी सहूलियत ने आम आदमी की जिंदगी को बेहद आसान बना दिया है। लेकिन, अब इस मुफ्त और सुविधाजनक व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। गुरुवार को लोकसभा में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (संशोधन) विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पास हो गया है। इस अहम बिल के पास होने का मतलब ये है कि आने वाले समय में आपके यूपीआई ट्रांजैक्शन पर सरचार्ज या मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगने का कानूनी रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है।

अभी तक देश के कानून के मुताबिक, यूपीआई या सरकार द्वारा तय किए गए कुछ अन्य चुनिंदा डिजिटल माध्यमों से पेमेंट करने पर कोई भी बैंक या पेमेंट सर्विस देने वाली कंपनी आपसे एक भी पैसा अतिरिक्त नहीं वसूल सकती थी। यह सेवा ग्राहकों के लिए पूरी तरह से मुफ्त थी। लेकिन नए कानूनी संशोधन ने इस तस्वीर को पूरी तरह से बदल दिया है। नए बिल के तहत अब केंद्र सरकार को यह विशेष अधिकार मिल गया है कि वह खुद तय करेगी कि किन-किन इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड पर चार्ज लगेगा। सरकार आधिकारिक अधिसूचना जारी करके यूपीआई सहित अन्य माध्यमों पर फीस लागू करने की अनुमति दे सकेगी।

सरकार क्यों उठा रही है यह कदम

संसद में देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह अहम विधेयक पेश किया। यह दरअसल टैक्सेशन से जुड़े एक व्यापक संशोधन बिल का ही एक हिस्सा है। इस बदलाव के पीछे सरकार का स्पष्ट तर्क है कि देश का डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसे लंबे समय तक सुरक्षित व मजबूत बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है। बैंक, पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के साथ-साथ भुगतान का ढांचा तैयार करने वाली संस्थाओं को अपना कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिए कमाई के एक टिकाऊ रेवेन्यू मॉडल की सख्त जरूरत है। पूरी तरह से मुफ्त सेवा देने से इन कंपनियों पर जो वित्तीय दबाव पड़ रहा है, उसे कम करने के लिए ही यह नई व्यवस्था बनाई जा रही है।

ज्ञान का मंदिर बदहाली में, जिला ग्रंथालय खुद मांग रहा नया ठिकाना

47 साल पुराने सार्वजनिक पुस्तकालय में मूलभूत सुविधाओं का टोटा, शोर-शराबे और असामाजिक तत्वों के बीच पढ़ाई को मजबूर छात्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले का एकमात्र शासकीय सार्वजनिक जिला ग्रंथालय आज स्वयं अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। ज्ञान और अध्ययन का केंद्र माने जाने वाला यह पुस्तकालय वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव, जर्जर भवन, शोरगुल और असुरक्षित वातावरण के बीच संचालित हो रहा है। हालत यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने अब जिला प्रशासन से ग्रंथालय को वर्तमान स्थान से हटाकर किसी शांत, सुरक्षित और आधुनिक स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग उठाई है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 1977 से संचालित यह जिला ग्रंथालय समय-समय पर शहर के विभिन्न स्थानों पर संचालित होता रहा और वर्तमान में उत्कृष्ट विद्यालय परिसर के मैदान के बीच स्थित भवन में संचालित है। लेकिन वर्षों से इस स्थान को लेकर छात्रों द्वारा लगातार आपत्ति जताई जाती रही है। उनका कहना है कि जिस स्थान पर ग्रंथालय संचालित हो रहा है, वहां पूरे दिन खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेले और अन्य सार्वजनिक आयोजन होते रहते हैं। ऐसे में अध्ययन के लिए आवश्यक शांत वातावरण पूरी तरह समाप्त हो जाता है। ग्रंथालय में अध्ययन करने वाली छात्रा पूनम ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शांत माहौल सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन यहां लगातार शोर-शराबा बना रहता है। मैदान में बच्चों के खेलने, आयोजनों और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के कारण पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने बताया कि यहां न तो पीने के पानी की समुचित व्यवस्था है, न पर्याप्त कुर्सियां हैं और न ही विद्यार्थियों के लिए आवश्यक अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्रंथालय कर्मियों ने भी स्वीकार किया कि सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। भवन जर्जर हो गया है, कई खिड़कियों के शीशे टूट चुके हैं, कुर्सियां खराब हो चुकी हैं और आवश्यक संसाधनों का लगातार अभाव बना हुआ है। बरसात के मौसम में भवन की छत से पानी टपकने के कारण पुस्तकों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। वहीं पुस्तकालय तक पहुंचने वाला मार्ग भी जलभराव और कीचड़ से प्रभावित हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे गंभीर स्थिति शाम के समय देखने को मिलती है। स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों का कहना है कि उत्कृष्ट विद्यालय का मैदान खुला होने के कारण शाम ढलते ही यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने लगता है। मदिरापान और धूम्रपान जैसी गतिविधियों के कारण विशेष रूप से छात्राओं को असुरक्षा का एहसास होता है। यही वजह है कि कई छात्राएं अब ग्रंथालय आने से भी कतराने लगी हैं। वर्तमान भवन में एक समय में 30 से 40 विद्यार्थियों के बैठने की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन सीमित स्थान और संसाधनों के कारण अधिकांश विद्यार्थियों को लौटना पड़ता है। छात्रों का कहना है कि यदि जिले में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन का माहौल तैयार करना है तो सार्वजनिक पुस्तकालय को आधुनिक स्वरूप देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विद्यार्थियों और नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्रंथालय को वर्तमान सार्वजनिक मैदान से हटाकर शहर के किसी शांत, सुरक्षित और शैक्षणिक वातावरण वाले क्षेत्र में नई शासकीय भूमि आवंटित की जाए। साथ ही वहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन बनाया जाए, जिसमें पर्याप्त अध्ययन कक्ष, डिजिटल लाइब्रेरी, इंटरनेट सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पर्याप्त फर्नीचर, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के समुचित इंतजाम हों। वर्तमान में जिला ग्रंथालय दो पालियों में संचालित होता है। सुबह 8 बजे से 11 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक यहां पाठकों के लिए अध्ययन की व्यवस्था रहती है। लेकिन सीमित समय, जर्जर भवन और संसाधनों की कमी के कारण इसका लाभ भी सीमित लोगों तक ही पहुंच पा रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का कहना है कि शासन शिक्षा और युवा विकास के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन जिले का एकमात्र सार्वजनिक पुस्तकालय ही बदहाल स्थिति में है। यदि समय रहते इसकी स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में हजारों विद्यार्थियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या वर्षों से उपेक्षित इस सार्वजनिक ग्रंथालय को नया जीवन मिलेगा या फिर यह ज्ञान का केंद्र इसी बदहाल स्थिति में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करता रहेगा।

7वीं मप्र थांग-ता स्टेट चैंपियनशिप में बालाघाट के 8 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिला थांग-ता मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन एवं मुख्य प्रशिक्षक-सचिव संतोष पारधी के नेतृत्व में जिले के 8 खिलाड़ी 7वीं मध्यप्रदेश थांग-ता स्टेट चैंपियनशिप में बालाघाट का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 11 अगस्त तक

दतिया में मध्यप्रदेश थांग-ता एसोसिएशन एवं जिला दतिया थांग-ता एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भोपाल, विदिशा, जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।बालाघाट दल में विकासखंड कटंगी से आकाश ठाकरे, लालबर्रा से साक्षी राजाराम दादरे एवं रिया राकेशिया, बालाघाट से उमंग दामोदर जघेले, सोहम नागपुरे, सुशांक पारधी, मौली एवं हर्षित का चयन हुआ है। टीम का नेतृत्व मुख्य प्रशिक्षक संतोष पारधी करेंगे, जबकि सहायक प्रशिक्षक के रूप में शुभम मानेश्वर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे।प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को संस्था के उपाध्यक्ष अनिल धुवारे, जिला कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ की उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पीपलेवार, सदस्य राजेंद्र बल्ले, संजू मेश्राम, लव कुमार नागपुरे, प्रज्ञात वासनिक, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी योगेंद्र पटले, केदार ठाकरे, अरविंद पटले, धीरज डोंगरे और दीपक अवचट सहित सभी युवा समन्वयकों ने शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। खिलाड़ियों ने भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने का विश्वास व्यक्त किया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0027/ड-154/2026-27
मौजा बहेगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक कोहरे पिता सक्टू कोहरे, जाति गोवारा, निवासी ग्राम बहेगांव, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बहेगांव, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता सक्टू पिता बानु का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 09.11.1997 मृत्यु स्थल ग्राम बहेगांव के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 10.08.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 07.08.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0028/ड-154/2026-27
मौजा रमपुरा, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक तेजलाल मानेश्वर पिता ढुलीचंद मानेश्वर, जाति मरार, निवासी ग्राम रमपुरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा रमपुरी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादाजी मानु पिता रामचरण का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 20.04.2000 मृत्यु स्थल ग्राम रमपुरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 10.08.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 07.08.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

भारत मां के वीर सपूत विष्णु बघेल को अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई

हजारों लोगों ने पुष्पवर्षा कर दी श्रद्धांजलि, सैन्य सम्मान के साथ बेटे ने दी मुखाग्नि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। असम स्थित सीआरपीएफ कैंप में हुई दुखद घटना में शहीद हुए परसवाड़ा क्षेत्र के वीर जवान विष्णु बघेल का पार्थिव शरीर गुरुवार दोपहर उनके गृह क्षेत्र परसवाड़ा पहुंचा। तिरंगे में

लिपटे भारत मां के इस वीर सपूत के अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा क्षेत्र गमगीन माहौल में डूब गया वहीं हजारों ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों और जनप्रतिनिधियों ने पुष्पवर्षा कर अपने अमर जवान को नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

बीजाटोला से प्रारंभ हुई अंतिम यात्रा तहसील कार्यालय, थाना, बस स्टैंड होते हुए शेरपार रोड स्थित उनके निवास पहुंची। पूरे मार्ग में भारत माता की जय,वंदे मातरम्और शहीद विष्णु बघेल अमर रहें के गगनभेदी नारों से वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा। हर आंख नम थी। लेकिन हर हृदय अपने वीर सपूत के बलिदान पर गर्व से भरा हुआ था।जब पार्थिव शरीर उनके निवास पहुंचा तो पत्नी सावित्री बघेल, पुत्री माही 15 वर्षीय पुत्र काव्य तथा वृद्ध माता-पिता का विलाप देखकर हर किसी की आंखें भर आईं। इस दौरान सीआरपीएफ अधिकारियों और परिजनों के बीच लगभग दो घंटे तक चर्चा हुई। पत्नी सावित्री बघेल ने अपने पति को शहीद का दर्जा देने बच्चों की शिक्षा एवं रोजगार की व्यवस्था, स्वयं के लिए अनुकंपा नियुक्ति तथा वृद्ध माता-पिता के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखी। विधायक मधु भगत, समाजसेवी रामेश्वर कटरे तथा एसडीएम श्रीश प्याशी ने परिजनों को शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।मोक्षधाम शक्ति घाट में सीआरपीएफ के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। इसके बाद 15 वर्षीय पुत्र काव्य बघेल ने भारी मन से अपने वीर पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार से पूर्व उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद की आत्मा की शांति एवं राष्ट्र की रक्षा में दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

मीडिया से चर्चा के दौरान परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना की आधिकारिक सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई और इसकी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली। वहीं सीआरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि घटना की विभागीय जांच जारी है तथा विभाग की टीम आगामी 15 दिनों तक परसवाड़ा में रहकर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करेगी।इस अवसर पर विधायक मधु भगत, समाजसेवी रामेश्वर कटरे, लघु वनोपज जिलाध्यक्ष अशोक मंडलेकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे, जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पन्द्रे एवं तामेश्वर पटेल, जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, एसडीएम श्रीश प्याशी, तहसीलदार श्री तेकाम, थाना प्रभारी अनुप नामदेव, पुलिस बल, सीआरपीएफ के अधिकारी एवं जवान तथा हजारों की संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।वीर जवान विष्णु बघेल का बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। राष्ट्र उनकी वीरता और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा नमन करता रहेगा।

आवारा मवेशियों को पकड़ने का काम शुरू

आवारा मवेशियों की धरपकड़ के लिए सड़कों पर उतरी नपा की हांका गैंग
2 दिनों में 9आवारा मवेशियों को पकड़कर भेजा गया बिठली गौशाला
नगर में खल रही कांजीहाउस की कमी, अधिकारी बोले रोजाना जारी रहेगी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहां खबर का प्रकाशन होते ही नपा के जिम्मेदार हरकत में आए और उन्होंने हांका गैंग तैयार कर, सड़क पर घूम रहे आवारा मवेशियों की धरपकड़ शुरू कर दी है।जहां पिछले 2 दिनों में नपा की इस हांका गैंग ने 9 मवेशियों को पकड़कर उन्हें रामपायली के ग्राम बिठली स्थित गौशाला भेजा है।बताया गया कि आवारा मवेशियों के कारण रोजाना नगर की बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने और मवेशियों की धमा चौकड़ी से राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए नपा द्वारा यह कदम उठाया गया है।जिसमें नपा की हांका गैंग ने 5 अगस्त को 4 तो 6 अगस्त को 5 ऐसे 2 दिनों में कुल 9 मवेशियो को पकड़कर बिठली गौशाला पहुंचाया गया है।वही आगे भी यह कार्यवाही जारी रखने की बात कही गई है।

नगर में खल रही काँजीहौस की कमी

नगर में काँजीहौस ना होने के चलते पिछले कुछ दिनों से नपा की सड़कों पर आवारा मवेशियों की संख्या काफी बढ़ गई है।जिससे राहगीरों को सड़क से आवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।तो वही मवेशियो के झुंड और उनकी धमा चौकड़ी के चलते नगर की यातायात व्यवस्था रोजाना बिगड़ रही है।यदि नगर में काँजीहौस होता तो नपा व आम लोगो को इतना अधिक परेशान नही होना पड़ता लेकिन काँजीहौस ना होने के चलते मवेशियों को पकड़कर उन्हें ट्रैक्टर में भरकर रामपायली के बिठली गौशाला ले जाने में कही ना कही जनता का टैक्स, नपा कर्मचारियों का समय व परिवहन साधन,व पैसा अधिक खर्च हो रहा है।यदि नगर में काँजीहौस होता तो हांका गैंग बिना किसी अतिरिक्त लागत के आवारा मवेशियों को खेदते हुए काँजीहौस लाकर बंद कर देती।वही पशु मालिक उन मवेशियों को छुड़वाने के लिए जुर्माना भी जमा करते,जिससे नपा को अतिरिक्त आमदनी भी मिलती।लेकिन काँजीहौस ना होने के चलते अतिरिक्त आमदनी की जगह खर्च बढ़ रहा है।

कार्यवाही के बावजूद भी, सड़कों पर बेखौफ छोड़े जा रहे मवेशी

नगर में पिछले 2 दिनों से आवारा मवेशियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।जहां नगर में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर पालिका की हांका गैंग, सड़क पर बेखौफ होकर घूम रहे आवारा मवेशियों को पकड़कर उन्हें गौशाला भेजने का काम कर रही है।हालांकि यह कार्रवाई 2 दिनों से शुरू है बावजूद इसके भी पशु पालक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और वह रोजाना ही अपने मवेशियों को चरने के लिए आवारा सड़कों पर छोड़ रहे हैं।

इन मार्गों को मवेशियों ने बनाया अपना अड्डा

वैसे तो नगर के सभी मार्गो में आप इन आवारा मवेशियों को आराम फरमाते देख सकते हैं लेकिन शहर के बस स्टैंड, काली पुतली चौक ,मेन रोड, गुजरी, जय स्तंभ चौक, अम्बेडकर चौक,अस्पताल रोड, भटेरा चौकी, बूढ़ी मार्ग, वारासिवनी रोड,हनुमान चौक,सब्जी मंडी, सरेखा बायपास, व गोदिया रोड सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों पर इन दिनों आवारा मवेशियों का झुंड यातायात व्यवस्था को बाधित करता अक्सर नजर आता है जिससे राहगीर काफी परेशान है।

चालानी कार्यवाही करने पर आ सकता है सुधार

बताया गया कि यूं तो इन आवारा पशुओं ने सड़कों को ही अपना ठिकाना बना रखा है लेकिन पशुओं के इन ठिकानों ने वाहन चालकों की मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं ।कई जगह यह आवारा पशु वाहन के एकाएक सामने आ जाते हैं इस कारण वाहन चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और अधिक बढ़ जाती है।आवारा पशुओं के जमघट के कारण शहर के विभिन्न चौक चौराहों व अन्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है।जिसे देखते हुए हांका गैंग ने सड़को पर उतरकर आवारा मवेशियो की धरपकड़ शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार नगर पालिका हाकागैंग मे सुपरवाइजर दिनेश लिल्हारे, आकाश भारद्वाज, विजय बिरिया, साधुराम चमकेल, अंकित सोनी सहित सभी सुपरवाइजर को शामिल किया गया है।जिनके द्वारा शहर के मुख्य चौराहों - अंबेडकर चौक, हनुमान चौंक,काली पुतली चौक, जयस्तंभ चौक,कलेक्ट्रेट रोड आदि स्थान से रोजाना मवेशियो को पकड़कर गौशाला पहुँचाया जा रहा है।बताया गया कि पशु मालिको पर चालानी कार्यवाही करने से इस अव्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है।

आगे भी जारी रहेगी करवाई- सूर्य प्रकाश उइके

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके ने बताया कि पिछले दो दिनों से नगर में आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही शुरू है,रोजाना मवेशी पड़कर गौशाला भेजे जा रहे हैं,वर्तमान में जिन जगहों पर मवेशी नजर आ रहे हैं, उन्हें भी जल्द पड़कर गौशाला भेजा जाएगा यह कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

बैहर और बिरसा में संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ का गठन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में संयुक्त विभाग पेंशनर्स संघ, लगातार संगठन विस्तार कर रहा है, इसी कड़ी बैहर और बिरसा में संघ का नवीन गठन किया गया।बैहर मे बैठक में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष बी.एल. चौधरी, प्रांतीय उपाध्यक्ष थानसिंह भगत, संरक्षक एम.जेड. कुरैशी, एल.सी. मानवटकर और महामंत्री नारायण सोलंकी की उपस्थिति में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से बैहर तहसील अध्यक्ष सूरजलाल बिसेन, सचिव हीराचंद वाकड़े, कोषाध्यक्ष के.एल. धाकड़े, संरक्षक वाय. एन. मिश्रा, ओ.पी. तिवारी, सेवकराम बोपचे, उपाध्यक्ष रविप्रभा मिश्रा, शबनम शेख, निलेन्द्र वर्मा, सहसचिव डी.आर. रामटेक्कर, यू.एस. गोस्वामी और शिवलाल इनवाती को मनोतिन किया गया है। इसी तरह बिरसा तहसील में तहसील अध्यक्ष धरमलाल शिव, सचिव डी.डी. तुरकर, कोषाध्यक्ष एस.एस. गोस्वामी और उपाध्यक्ष सी.एल. मेश्राम को बनाया गया है। जिनके मनोनयन पर संघ पदाधिकारियों ने नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 07 अगस्त 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज़
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सराफा व्यापारी से लूट, सोने चांदी से भरे 2 बैग लूटकर भागे बदमाश

करीब 8-10 बदमाशो में दिया वारदात को अंजाम, किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजेगांव का मामला, जांच में जुटी पुलिस

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मेट्रो सिटी की तर्ज पर जिले में लूट की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। जिसपर अंकुश लगाना पुलिस प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। जहा चोरों और लुटेरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें ना तो पुलिस का डर है और ना ही कानून की परवाह। जो बेखौफ होकर आए दिनों चोरी और लूट की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। जिले में लगातार बढ़ते जा रहे चोरी और लूट के इन मामलों के चलते जिले का क्राइम ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है।लगातार बढ़ती जा रही इन्हीं वारदातों के बीच किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजेगांव में,बीती रात रजेगांव-लांजी मुख्य मार्ग पर बेखौफ बदमाशों ने लूट की एक बड़ी वारदात को एक अंजाम दिया।जहा दुकान बंद कर घर लौट रहे सराफा व्यापारी गेंदलाल करंडे पर करीब 8 से 10 बदमाशों ने डंडों से हमला कर दिया।हमले में घायल व्यापारी को छोड़कर आरोपी सोने-चांदी के जेवरात से भरे दो बैग लूटकर फरार हो गए।घायल व्यापारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

घर से महज 200 मीटर पहले हुई वारदात

घटना रात तकरीबन 9.30 से 10 बजे के बीच की बताई जा रही है, जब सराफा व्यापारी गेंदलाल करंडे, अपनी सराफा दुकान बंद कर वाहन से घर जा रहे थे। इसी दौरान, दुकान और घर के रास्ते के बीच मोटर सायकिल से आए लूटेरो ने व्यापारी पर डंडे से हमला और मारपीट कर उसके पास रखा सोने चांदी के ज्वेरात से भरा थैला लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद से व्यापारी के घायल होने और घबरा जाने के कारण, उसे घायल हालत में किरनापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। लूट में नगद रकम और जेवर कितने है, फिलहाल यह स्पष्ट नही हो पाया है।हालांकि कोई इसे लाखो तो कोई इसे करोड़ो की लूट बता रहा है।

लूट के लिए एक ही पैटर्न अपना रहे लुटेरे

बताया जाता है कि लूटेरो की संख्या आधा दर्जन से ज्यादा थी, जिन्होंने उसी पैटर्न में लूट की वारदात को अंजाम दिया। जिस पैटर्न पर लूटेरो ने 28 जून की रात लांजी मुख्यालय में सराफा व्यापारी कपिल आसटकर के साथ हुई लूट में दिया था।

फिलहाल घटना के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है और तत्काल ही मामले की जांच के लिए टीम बनाकर संभावित क्षेत्र में आरोपियों की तलाश के लिए रवाना किया गया है।

एक माह के भीतर लूट की यह तीसरी बड़ी वारदात

ऐसा बिल्कुल नहीं है कि जिले में लूट कि यह पहली वारदात हुई हो बल्कि पिछले एक माह के भीतर जिले में यह तीसरी बड़ी लूट की घटना है।इससे पहले भी लांजी क्षेत्र में दो लूट हो चुकी हैं, जिनका खुलासा अब तक नहीं हो सका है।ज्ञात हो कि इससे पूर्व 28 जून को लांजी मुख्यालय में सराफा व्यवसायी और फिर 25 जुलाई को लांजी के कुलपा में बुजुर्ग लिल्हारे दंपत्ति के साथ लाखो की लूट की वारदात हो चुकी है, लांजी और किरनापुर क्षेत्र सटे होने के कारण लगातार हो रही इन वारदातों से स्थानीय लोगों और व्यापारियों में भारी दहशत का माहौल है।वहीं, बैक-टू-बैक हो रही लूट की घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लूट का आंकलन करना फिलहाल मुश्किल- गेंदलाल

रजेगांव वार्ड नं 15 निवासी 57 वर्षीय फरियादी गेंदलाल पिता सुदामराव करंडे ने बताया कि उनकी रजेगांव चौक में सागर ज्वेलर्स नाम की दुकान है,मैं सोने चांदी गिरवी रखने रखने का काम करता हूँ।बीती रात मैं रोजाना की तरह दुकान बंद कर,सोने चांदी के जेवरात 2 थैले में भरकर स्कूटी से घर जा रहा था।जब मै अनिल बोरकर घर के सामने पहुंचा तो 3-4 मोटर सायकल मे कुछ अज्ञात व्यक्ति आए,स्कूटी के सामने उन्होंने मोटरसाइकिले अड़ा दी और मुझे हाथ मुक्को से मारपीट की,फिर डंडों से मारा जेवरात से भरे दोनो बैग लेकर फरार हो गए।सोने चांदी व रकम कितने की है ये हिसाब करने के बाद ही पता चल पाएगा।

आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा- भार्गव

एडिशनल एसपी नितेश भार्गव ने बताया की मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर जांच पड़ताल की है।फरयादी मारपीट में घायल हो थे,उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जिनकी रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धराओ के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई

है।जो महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित अन्य इलाकों में आरोपियों की तलाश में है।सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे है।मुखबिरों को भी एक्टिव कर दिया गया है।जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जंतर-मंतर घटना के बाद पुलिस सुरक्षा कानून सख्त करने की मांग

पुलिस पेंशनर्स संघ ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पुलिस पेंशनर्स संघ, बालाघाट ने 20 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के दौरान पुलिस एवं सुरक्षा बलों के साथ हुई मारपीट और हिंसा की घटनाओं को लेकर प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। कलेक्टर के माध्यम से प्रेषित किए गए ज्ञापन में संघ ने पुलिस एवं सुरक्षा बलों की सुरक्षा के लिए कानूनों को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाने की मांग की है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के दौरान कुछ असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों द्वारा पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमला किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी घायल हुए। संघ का कहना है कि ऐसी घटनाओं से कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले जवानों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

इन मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौपे गए इस ज्ञापन में संघ द्वारा,आंदोलन या धरना-प्रदर्शन के दौरान हिंसा होने पर आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही तय करने,पुलिस एवं सुरक्षा बलों पर हमला करने वालों के विरुद्ध कड़े दंडात्मक प्रावधान किए जाने,पुलिस कर्मियों की सुरक्षा के लिए अलग और सख्त पुलिस प्रोटेक्शन एक्ट बनाने,ड्यूटी के दौरान घायल पुलिसकर्मियों का संपूर्ण उपचार सरकार द्वारा वहन करने, ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर परिजनों को 5 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान करने,मीडिया से भी ऐसी घटनाओं में पुलिस पक्ष को निष्पक्ष रूप से सामने लाने की अपील की गई है।जिला पुलिस पेंशनर्स संघ ने शासन से मांग की है कि इन सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस एवं सुरक्षा बलों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बिरसा क्षेत्र में नहीं थम रहा मासूमों की मौत का सिलसिला, फिर 4 वर्षीय बच्चे की गई जान

20 से 25 दिनों में लगभग छह बच्चों की मौत, अब तक बीमारी का कारण अज्ञात, जांच के लिए जल्द पहुंचेगी भोपाल की विशेषज्ञ टीम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा विकासखंड के बैगा बाहुल्य अडोरी क्षेत्र में बच्चों की मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले लगभग 20 से 25 दिनों के भीतर अलग-अलग गांवों में लगभग छह मासूमों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग पहले ही स्वीकार कर चुका है कि क्षेत्र में बच्चों के बीच वायरल संक्रमण, बुखार और शरीर पर दाने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर कौन-सी बीमारी बच्चों की जान ले रही है। लगातार हो रही मौतों ने पूरे क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना दिया है। गुरुवार 6 अगस्त को ग्राम पंचायत अडोरी के बैगा बाहुल्य गांव बोंदारी में एक और चार वर्षीय मासूम अरविंद धुर्वे, पिता चैतु धुर्वे, की मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों में फिर से आक्रोश और चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांवों में पहुंच तो रही हैं, लेकिन बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। उनका आरोप है कि यदि शुरुआत में ही दूरस्थ गांवों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी की व्यवस्था की गई होती तो शायद इतनी मौतें नहीं होतीं। इधर, बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने बिरसा विकासखंड के कुंडेकसा और बोंदारी सहित प्रभावित गांवों में विशेष स्वास्थ्य अभियान शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर पहुंचकर बच्चों और ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग प्रभावित गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बुखार, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों की जांच कर रहा है। ग्रामीणों को आवश्यक दवाइयां वितरित की जा रही हैं तथा संदिग्ध मरीजों की लगातार निगरानी की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने मैदानी स्वास्थ्य अमले को घर-घर जाकर सघन सर्वे करने, संभावित मरीजों की तत्काल पहचान कर उपचार सुनिश्चित करने तथा प्रतिदिन स्वास्थ्य रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि सबसे बड़ा सवाल अब भी यही है कि लगातार जांच और स्वास्थ्य शिविरों के बावजूद बीमारी की वास्तविक वजह अब तक सामने क्यों नहीं आ सकी। कुछ दिन पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया था कि मेडिकल टीमें लगातार प्रभावित गांवों में काम कर रही हैं, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्चों में फैल रही बीमारी आखिर कौन-सी है। उन्होंने यह भी जानकारी दी थी कि इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए भोपाल से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम बुलाई जा रही है, जो प्रभावित गांवों का दौरा कर सैंपल एकत्र करेगी और बीमारी के कारणों की जांच करेगी।

हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंची है या नहीं। लगातार हो रही मासूमों की मौतों ने स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों और ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रभावित गांवों में अस्थायी शिविरों के बजाय स्थायी रूप से मेडिकल टीम की तैनाती की जाए, ताकि किसी भी बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर तत्काल उपचार मिल सके। उनका यह भी कहना है कि जब तक बीमारी की वास्तविक वजह सामने नहीं आती और प्रभावी रोकथाम के उपाय नहीं किए जाते, तब तक मासूमों की जान पर खतरा बना रहेगा। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग बीमारी की वजह तलाशने और संक्रमण पर नियंत्रण पाने का दावा कर रहा है, लेकिन दूसरी ओर बच्चों की लगातार हो रही मौतें यह संकेत दे रही हैं कि स्थिति अब भी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं है। अब पूरे जिले की निगाहें स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि आखिर इस रहस्यमयी बीमारी का कारण कब सामने आएगा और मासूमों की मौतों का यह सिलसिला कब थमेगा।

डबल मनी घोटाले की जांच तेज, निवेशकों की पांचवीं सूची जारी, सोमेंद्र समेत तीन आरोपियों की रिमांड 8 अगस्त तक बढ़ी

एसआईटी को पूछताछ में मिल रहे अहम सुराग, निवेशकों से दस्तावेज जमा कराने की प्रक्रिया जारी, करोड़ों के निवेश के नेटवर्क की परतें खंगाल रही पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित डबल मनी घोटाले की जांच अब और तेज हो गई है। विशेष जांच दल (एसआईटी) एक ओर मास्टरमाइंड सोमेंद्र कांकराने से लगातार पूछताछ कर रहा है, वहीं दूसरी ओर निवेशकों की पहचान कर उन्हें जांच प्रक्रिया से जोड़ने का काम भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने 6 अगस्त की देर शाम निवेशकों की पांचवीं सूची भी जारी कर दी। अब तक पुलिस सैकड़ों निवेशकों के नाम सार्वजनिक कर चुकी है और सभी से निर्धारित तिथि पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्प डेस्क पर पहुंचकर निवेश से जुड़े दस्तावेज जमा करने की अपील की है। पुलिस ने सबसे पहले 113 निवेशकों की सूची जारी की थी। इसके बाद लगभग 150-150 नामों वाली चार और सूचियां जारी की गईं। नवीनतम सूची के साथ पुलिस ने संबंधित निवेशकों को 7 और 8 अगस्त तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित हेल्प डेस्क में पहुंचकर चेक, रसीद, बैंक दस्तावेज और निवेश से जुड़े अन्य आवश्यक प्रमाण जमा करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों का सत्यापन जांच और आगामी न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इधर, घोटाले के मुख्य आरोपी सोमेंद्र कांकराने से एसआईटी की पूछताछ लगातार जारी है। पुलिस ने पहले उसे पांच दिन की रिमांड पर लिया था, जिसके बाद न्यायालय से रिमांड अवधि तीन दिन और बढ़ा दी गई। 6 अगस्त को न्यायालय में पेशी के बाद एसआईटी ने इस मामले में गिरफ्तार सात आरोपियों में से तीन आरोपियों की रिमांड दोबारा प्राप्त की है। अब सोमेंद्र सहित तीनों आरोपी 8 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर रहेंगे। एसआईटी का नेतृत्व कर रहे नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने पद्मेश न्यूज़ से दूरभाष पर चर्चा में बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को लगातार कई महत्वपूर्ण सुराग मिल रहे हैं। जांच का फोकस इस बात पर है कि निवेशकों से जुटाई गई करोड़ों रुपये की राशि कहां-कहां निवेश की गई,

किन माध्यमों से उसका लेन-देन हुआ और इस पूरे नेटवर्क में किन-किन लोगों की भूमिका रही। पुलिस वित्तीय लेन-देन, संपत्तियों और अन्य आर्थिक गतिविधियों की भी बारीकी से पड़ताल कर रही है। हालांकि अब तक एसआईटी ने पूछताछ में सामने आए किसी बड़े नाम या महत्वपूर्ण खुलासे को सार्वजनिक नहीं किया है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी संवेदनशील चरण में है और तथ्यों के पूरी तरह सत्यापित होने के बाद ही जानकारी साझा की जाएगी। सूत्रों का मानना है कि रिमांड के दौरान मिले इनपुट के आधार पर आने वाले दिनों में इस बहुचर्चित घोटाले में कई नए खुलासे हो सकते हैं। उधर, निवेशकों की सूची लगातार बढ़ने के साथ हेल्प डेस्क पर भी दस्तावेज जमा कराने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अभी भी कई ऐसे निवेशक हैं जिनके नाम सूची में आने के बावजूद वे आवश्यक दस्तावेज लेकर पुलिस के पास नहीं पहुंचे हैं। पुलिस ने ऐसे सभी निवेशकों से अपील की है कि वे समय पर दस्तावेज जमा कर जांच में सहयोग करें, ताकि भविष्य में न्यायालयीन प्रक्रिया और राशि वापसी की कार्रवाई प्रभावित न हो। फिलहाल पूरे जिले की नजरें एसआईटी की जांच और सोमेंद्र कांकराने से जारी पूछताछ पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि 8 अगस्त तक की रिमांड के दौरान पुलिस इस करोड़ों रुपये के डबल मनी घोटाले से जुड़े और किन राज़ों से पर्दा उठाती है तथा इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक जांच का दायरा कितना आगे बढ़ता है।

बस यात्रियों को लगा महंगाई का झटका, सफर हुआ महंगा

अब प्रतिकिमी लगेंगे 2 रु, ऐसी व लग्जरी बसों में 75 प्रतिशत किया बढाने की छूट, सरकार ने किराया बढ़ोतरी का जारी किया नोटिफिकेशन, जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन बोला, अन्य मांगों को लेकर करेंगे हड़ताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में बस आपरेटर एसोसिएशन द्वारा दी गई अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी के महज एक दिन पूर्व, सरकार ने बैकफुट पर आते हुए बस आपरेटर एसोसिएशन की एक मांग पूरी कर दी है जिसमें किराए में बढ़ोतरी वाली मांग को सशर्त मंजूरी दी है। हालांकि बस ऑपरेटर द्वारा ढाई रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराए में वृद्धि किए जाने की मांग की जा रही थी जिस पर सरकार ने प्रति किलोमीटर 2रु के हिसाब से किराया बढ़ाने को मंजूरी दी है, जिसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है लेकिन बस आपरेटर एसोसिएशन अब भी मानने को तैयार नहीं है।जो अपनी अन्य मांगो को लेकर 7 अगस्त रात 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को अड़े हुए हैं।

बस यात्रियों की जेब होंगी ढीली

महंगाई की मार झेल रही आम जनता को एक और बड़ा झटका लगा है।मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य में बस किरायों में वृद्धि को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद आज से यात्रियों को सफर के लिए जेब ढीली करनी होगी। नई दरों के लागू होने से साधारण बसों में प्रति किलोमीटर किराया अब 1.25 रुपये से बढ़ाकर 2.00 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। किरायों में हुई इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा असर लंबी दूरी का सफर तय करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा।जिससे अब बस यात्रियों को अपनी जेब अधिक ढीली करनी पड़ेगी।

इसलिए बढ़ाया गया किराया ?

ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन काफी समय से किराया बढ़ाने की मांग कर रहा था। संगठन का तर्क था कि डीजल की बढ़ती कीमतों और बसों के मेंटेनेंस (रखरखाव) का खर्च अधिक होने के कारण वर्तमान दरों पर बस चलाना मुश्किल हो रहा था। हाल ही में परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के साथ संगठन के पदाधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। बैठक में बस मालिकों की मांगों पर विचार करने के बाद परिवहन मंत्री ने नई दरों को स्वीकृति दे दी। सहमति बनने के बाद शासन द्वारा इसका राजपत्र भी जारी कर दिया गया है।

राष्ट्रीयकरण नीति से खत्म हो जाएगा व्यवसाय- श्याम

जिला बस ऑपरेटर्स सचिव श्याम कौशल ने बताया कि सरकार के यात्री किराया वृद्धि का हम स्वागत करते है लेकिन हमारी एक नहीं बल्कि सात शर्ते है, जिस पर भी सरकार को अमल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार की बसो के राष्ट्रीयकरण की नीति से बस ऑपरेटर्स का व्यवसाय खत्म हो जाएगा। जिसके लिए सरकार को इस नीति को वापस लेते हुए बस ऑपरेटर्स को राहत देनी चाहिए।उन्होंने यात्री किराया वृद्धि की मांगो के अलावा बसो का राष्ट्रीयकरण, रॉयल्टी का विरोध, नवीन यात्री वाहनों का पंजीयन, 15 साल बाद बसों का संचालन बंद करने के निर्णय को वापस लेने, परमिटों का नवीनीकरण और अधिकारियों की कार्यशैली में सुधार करने की मांग को दोहराते हुए बताया कि अभी हमने, यात्री किराया में वृद्धि नहीं की है, हड़ताल के बाद प्रदेश संगठन के निर्देश पर यात्री किराया की बढ़ी हुई दरों से किराया लिया जाएगा।

खमरिया में युवती का शव सड़क पर रखकर ग्रामीणों एवं परिजनों ने किया चक्काजाम

डोंगरगांव (वारासिवनी) नहर में मिली लाश, आरोपी प्रेमी की गिरफ्तारी और फांसी की सजा देने की मांग

एसडीओपी एवं तहसीलदार के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ प्रदर्शन, शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत खमरिया (हाल मुकाम नागपुर) निवासी 25 वर्षीय खुशबू पिता स्व. शंकरलाल डहरवाल का शव डोंगरगांव (वारासिवनी) स्थित ढूटी बीयर वैनगंगा बड़ी नहर में मिलने एवं पोस्टमार्टम के बाद शव को ग्राम में लाने के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने गुरूवार की शाम में लालबर्रा-वारासिवनी हाईवे मार्ग खमरिया चौक पर शव रखकर मूसलाधार बारिश में चक्काजाम कर दिया। साथ ही प्रेमी युवक को गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की है। मृतिका युवती के परिजनों का आरोप है कि सरंडी (सिवनी) निवासी युवक संतोष ठाकरे के साथ युवती का प्रेम प्रसंग था और गत दिवस युवक ने नागपुर से युवती को शादी करने का सांझा देकर लेकर आया था और उसी ने हत्या की है। खमरिया चौक में मृत युवती का शव रखकर चक्काजाम करने की जानकारी लगने पर तत्काल एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी लालबर्रा एवं तहसीलदार घटना स्थल पहुंचकर चक्काजाम कर रहे ग्रामीणजन एवं परिजनों को समझाईश देकर चक्काजाम समाप्त करने की बात कही। लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे और करीब डेढ़ घंटे तक चक्काजाम किया। जिसके बाद आरोपी युवक को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने का आश्वासन मिलने के बाद चक्काजाम समाप्त किया गया। करीब डेढ़ घंटे तक मूसलाधार बारिश के बीच चले इस प्रदर्शन के कारण वारासिवनी-लालबर्रा मार्ग पर आवागमन बाधित होने से आने-जाने वालों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। वहीं चक्काजाम समाप्त होने के बाद खमरिया के मोक्षधाम में मृत युवती का शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

शादी का झांसा देकर लाया था आरोपी

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशबू अपनी माँ और भाई के साथ नागपुर में रहती थी। उसका सरंडी (सिवनी) निवासी संतोष ठाकरे नामक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। संतोष ने कुछ माह पूर्व किसी अन्य लड़की से शादी कर ली थी, जिसके बाद खुशबू ने सिवनी थाने में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। जिससे युवक मानसिक रूप से परेशान रहा होगा। वहीं मृतिका के परिजनों का आरोप है कि गत 30 जुलाई को संतोष नागपुर पहुंचा और खुशबू को शादी का झांसा देकर अपने साथ चौपहिया वाहन में ले आया। 5 अगस्त की सुबह डोंगरगांव (वारासिवनी) नहर में उसकी लाश बरामद हुई, जिसके गले पर धारदार हथियार के निशान मिले। जिससे प्रतीत हो रहा है कि जिस युवक के साथ वह नागपुर से आई थी उसी ने उसकी हत्या कर नहर में फेंका है। पुलिस को शुरूआत में युवती की शिनाख्त नही हो पाई किन्तु कुछ घंटे बाद उसकी पहचान खमरिया निवासी 25 वर्षीय खुशबू/शंकरलाल डहरवाल के नाम से हुई थी। जिसके बाद उसके परिजनों को सूचना देकर शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही की गई। वहीं शव बरामद होने के दुसरे दिन गुरूवार को मृत युवती का वारासिवनी अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

मांगों पर अड़े रहे ग्रामीण, पुलिस अधिकारी पहुंचे मौके पर

गुरूवार को वारासिवनी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शाम को जब परिजन युवती का शव लेकर खमरिया पहुंचे। वहीं युवती की हत्या होने से आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणजनों ने बारिश के बावजूद हाईवे मार्ग खमरिया चौक में शव रखकर चक्काजाम (प्रदर्शन) शुरू कर दिया और आरोपी प्रेमी को तत्काल गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग पर अड़े रहे। घटना की जानकारी मिलते ही वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत और पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच व आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों एवं परिजनों का आक्रोश शांत होने के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ। वहीं परिजनों का यह भी आरोप है कि आरोपी संतोष ठाकरे ने सिवनी जिले की एक अन्य युवती के साथ भी गलत कृत्य किया था, जिसका मामला थाने में दर्ज है। परिजनों ने आशंका जताई है कि आरोपी युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका शोषण करता था और अपनी वैवाहिक जिंदगी में बाधा बन रही खुशबू की उसने हत्या कर दी। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपी युवक को गिरफ्तार कर दी जाये फांसी - दुर्गेश

दुर्गेश डहरवाल ने बताया कि सरंडी (सिवनी) निवासी संतोष ठाकरे का युवती के साथ पिछले 6 महीनों से संबंध एवं विवाद चल रहा था। युवती नागपुर में रह रही थी। गत 30 जुलाई को आरोपी युवक कार से नागपुर पहुंचा और शादी करने तथा पुराना मामला सुलझाने का झांसा देकर युवती को अपने साथ लेकर आया था। बताया जा रहा है कि सिवनी थाने में पूर्व में भी दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग से जुड़ा एक मामला दर्ज था, जिसके सिलसिले में आरोपी को जमानत भी लेनी पड़ी थी। आरोपी एफआईआर वापस करवाने और शादी का झांसा देकर युवती को लाया था। लेकिन 5 अगस्त को जानकारी मिली थी खुशबू की लाश नहर में मिली है, जिसके गले में धारदार हथियार के निशान मिले है जिससे ऐसा लग रहा है कि संतोष ठाकरे ने ही हत्या की है। श्री डहरवाल ने बताया कि विगत माह पूर्व संतोष ने दुसरी समाज की लड़की से शादी कर ली थी और सिवनी जिले में लड़की के छेड़छाड़ के मामले में पूर्व में भी युवक के खिलाफ मामला दर्ज है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि खुशबू की हत्या करने वाले हत्यारे संतोष को गिरफ्तार कर उसे फांसी की सजा दी जाये इसी मांग को लेकर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

युवती की हत्या की गई है - अनिल

सरपंच प्रतिनिधि अनिल टेंभरे ने बताया कि युवती पूर्व में नागपुर में अपनी माँ व भाई के साथ रहती थी। मई माह में उसके साथ हुई एक घटना के बाद आरोपी संतोष ठाकरे निवासी सरंडी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वहीं हाल ही में आरोपी को अदालत से जमानत मिली थी। ग्रामीणों और परिजनों का दावा है कि जमानत मिलने के बाद आरोपी परिवार पर दबाव बना रहा था और जान से मारने की धमकियां दे रहा था। परिजनों को आशंका है कि आरोपी ने युवती को बहला-फुसलाकर बुलाया और फिर उसकी नृशंस हत्या कर दी। परिजनों के अनुसार युवती ने निकलने से पहले अपनी माँ को फोन कर जानकारी दी थी कि वह युवक के साथ है और शादी करने जा रही है। माँ और बेटी के बीच हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस के पास मौजूद है, जिसकी जांच की जा रही है। श्री टेंभरे ने बताया कि संबंधित साक्ष्यों और कॉल रिकार्डर्स की गहनता से विवेचना कर पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

मामले की जांच की जा रही है - अभिषेक

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि बुधवार को डोंगरगांव के समीप से गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर में तैरते शव मिलने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला गया। शुरूआती जांच पड़ताल में युवती के गले पर धारदार हथियार से कटने या चोट के गहरे निशान पाये गये। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों, एडिशनल एसपी और एफएसएल टीम की मौजूदगी में शव की शिनाख्त की गई। मृत युवती खमरिया की रहने वाली थी जो वर्तमान में नागपुर में अपनी माँ एवं भाई के साथ रहती थी। श्री चौधरी ने बताया कि मृत युवती के परिजनों ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर खमरिया चौक में शव रखकर चक्काजाम कर रहे थे, जिन्हे समझाईश दी गई कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही की जायेगी, जिसके बाद उन्होने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वनग्राम से विस्थापितो का बूथ विलोपित, कहा करेंगे मतदान - अनीस

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में विधायक प्रतिनिधि श्री खान ने बिजली, सड़क की समस्या से अधिकारियों को करवाया अवगत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने लालबर्रा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाकर निराकरण करने की मांग

की है। जिसमें तीन वन ग्राम के लोगों का विस्थापन के बाद उनके बूथ विलोपित कर किस स्थान पर वे मतदान करेंगें जिसे प्रमुखता से जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में रखा गया। श्री खान ने बैठक में लालबर्रा ब्लाक अंतर्गत तीन वन ग्राम के लोगो का विस्थापन पूरी तरह से हो गया है जिसमें सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव शामिल है और इन सभी गांव में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नागरिकों को मतदान करने के लिए बूथ बनाये गये है। वर्तमान में अब इन बूथों का अस्तित्व समाप्त हो गया है क्योंकि वन विभाग द्वारा तीनों ही वन ग्रामों के नागरिकों को वन परिक्षेत्र से 15-15 लाख रूपये प्रति यूनिट राशि देकर वहां से हटा दिया गया है विस्थापित कर दिया गया है। आगे कहा कि विस्थापित परिवार अलग-अलग ग्रामों में बस गये है जहां कुछ लोग ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला, चिचगांव, ग्राम पंचायत साल्हे ला के खैरगोंदी अलग अलग स्थानों में परिवार सहित बस गये हैं। इसमें कुछ लोगों को स्थाई बिजली कनेक्शन नहीं मिला है तो कुछ स्थानों पर पक्की सड़क की आवश्यकता भी है। इससे वन ग्रामों से स्थापित लोगों ने मूलभूत आवश्यकताओं के लिए शासन प्रशासन से मांग की है। श्री खान ने बताया कि विस्थापित परिवार के ज्ञानसिंह ने उन्हे बताया कि उनके घर में बिजली विभाग द्वारा स्थायी कनेक्शन ना देते हुए अस्थाई कनेक्शन दिया गया है जिससे बिजली बिल अधिक आ रहे हैं। उनका मतदान बूथ भी विलोपित हो गया है, सड़क व अन्य मूलभूत सुविधा की बात कही थी। जिस पर मेरे द्वारा जिला पंचायत बालाघाट की बैठक में अधिकारियों को उक्त समस्या एवं मांगों से अवगत करवाया गया है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती की हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रमुख पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसमें कांग्रेस पार्टी के सभी अनुशांगिक संगठनों

और विंग्स के पदाधिकारियों से समन्वय बनाकर काम करने तथा पार्टी की जड़ों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने भी विधायक को संगठन विस्तार और मजबूती को लेकर अपने-अपने सुझाव दिये। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करें। कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों और रीति-नीति से आम जनता को अवगत करवाकर उन्हें पार्टी से जोड़ें। साथ ही यह भी कहा कि वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग परेशान है और अब समय आ गया है कि जनता के बीच जाकर ऐसी नीतियों का पुरजोर विरोध किया जाये। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं से संगठित होकर पार्टी हित में काम करने की बात कही। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, नगराध्यक्ष श्री हन्फी, दीपक तोमर, शैलेष केकती, सुमित स्वामी, देवराज ठकरेले, अंकित पिपलोद, श्री दशरिये, कैलाश नखाते सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मजार लालबर्रा से पांढरवानी आखर चौक पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील

मार्ग पर स्थित हैं 4 से 5 स्कूल, सड़क की बदहाली से स्कूली बच्चों और राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

राहगीरों और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क मरम्मत करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा-सिवनी हाईवे मार्ग पर मजार के सामने से पांढरवानी आखर चौक तक जाने वाला मुख्य पहुंच मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। मार्ग पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्डों और कीचड़ के कारण लोगों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर के इस व्यस्ततम मार्ग पर लगभग 4 से 5 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय स्थित हैं। सड़क के खस्ताहाल हो जाने से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। साथ ही अक्सर साइकिल से स्कूल जाने वाले बच्चे गड्डों में अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं, जिससे न केवल उनकी यूनिफॉर्म खराब होती है बल्कि साइकिल में टूट-फूट के कारण वे समय पर स्कूल भी नहीं पहुंच पाते, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे राहगीर एवं स्थानीयजनों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

हादसों को न्योता दे रहे गड्ढे, जनप्रतिनिधि और प्रशासन मौन

मजार लालबर्रा से पांढरवानी पहुंच मार्ग से दिन-रात छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण हर समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है, वहीं पूर्व में भी कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। साथ ही मार्ग में जगह-जगह गड्डे बन जाने के कारण बारिश होने पर गड्डों में पानी जमा हो जाने से गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे तेज गति से गुजरने वाले वाहन चालक अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे प्रशासन के प्रति लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं स्थानीयजनों एवं राहगीरों का कहना है कि लंबे समय से इस व्यस्त मार्ग के मरम्मत की मांग की जा रही है। लेकिन प्रशासनिक अधिकारी और जिम्मेदार इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इस मार्ग से जनप्रतिनिधियों की भी आवाजाही रहती है, इसके बावजूद सड़क की दुर्दशा की अनदेखी समझ से परे है। राहगीर एवं स्थानीयजनों ने जिला एवं स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि लालबर्रा मजार से पांढरवानी आखर चौक तक के जर्जर मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि स्कूली बच्चों और ग्रामीणजन एवं राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - दीपक

जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि लालबर्रा मजार से ग्राम पांढरवानी पहुंच मार्ग में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्डे बन गये है जिसका लंबे समय से मरम्मत कार्य नही किया गया है। बारिश के कारण यह पूरा मार्ग गहरे गड्डों में तब्दील हो चुका है जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाएं भी घटित हो रहे है। श्री कावरे ने बताया कि इस मार्ग पर 4 से 5 प्रमुख स्कूल स्थित हैं। सुबह से लेकर शाम तक छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आम राहगीरों की बड़ी संख्या में इस मार्ग से आवाजाही रहती है। सड़क पर बने गड्डों में पानी भर जाने से खासकर छोटे ब%चों को स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और ये गड्डे दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे है। लेकिन प्रशासन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहा है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। शासन-प्रशासन से मांग है कि इस मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

अवैध प्लाटिंग के चलते खेतों से जा रहा पानी, किसानों की खेती हो रही बर्बाद

प्रशासनिक अनदेखी से किसानों मे आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र में बीते दिनों हुई मूसलाधार बारिश ने टोंडिया नाले सहित आसपास के नदी नालों को उफान पर ला दिया जिससे बड़े पैमाने पर बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई। बाढ़ के कारण लालबर्रा रोड़ स्थित टोंडिया नाले के आसपास के दर्जनों खेतों में कई दिनों तक पानी भरा रहा। यद्यपि अब नाले का जलस्तर धीरे.धीरे घट गया हैं लेकिन पानी उतरते ही खेतों की जो खराब तस्वीर सामने आई है। उसने क्षेत्र के किसानों की चिंताएं अत्यधिक बढ़ा दी हैं।

परहा और बुआर नष्ट लागत हुई दोगुनी

खेतों से बाढ़ का पानी हटने के बाद किसानों के द्वारा बोई गई बुआर, बिजाई और तैयार किया गया परहा बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अत्यधिक समय तक जलमग्न रहने के कारण धान का परहा गलकर बेहद पतला हो गया है जिससे अब दोबारा रोपाई और बिजाई का संकट खड़ा हो गया है। नाले किनारे अवैध प्लाटिंग से बाढ़ के पानी से किसानों के सामने आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। कृषि कार्य के लिए किसानों ने सहकारी सोसायटियों से खाद बीज का लोन लिया था। वहीं कई किसानों ने निजी तौर पर कर्ज लेकर बिजाई की खरीदारी की थी। फसल बर्बाद होने के कारण अब उनके सामने कर्ज चुकाना बड़ी चुनौती है। पीडित किसानों ने स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। किसानों का आरोप है कि हर साल बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बाद केवल कागजी सर्वे और औपचारिकताएं निभाई जाती हैं लेकिन आज तक उन्हें किसी भी प्रकार का मुआवजा प्रदान नहीं किया गया। केवल खेती पर निर्भर रहने वाले इन परिवारों के सामने जीवन यापन का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद किसान अपने स्तर पर खेतों को सुचारू करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रभावित कृषकों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि नाले किनारे अवैध प्लाटिंग किया है जिससे कृषको को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। जिसकी शिकायत प्रशासन को करने के बाद भी किसानों को कोई आर्थिक लाभ नही मिल पाता है। नुकसान का तत्काल पारदर्शी आकलन कराया जाए और राहत राशि मुआवजा सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की जाए।

पानी निकासी नही होने से खेती हो रही बर्बाद- अंकित चौधरी

किसान अंकित चौधरी ने बताया कि मैं मुरझड का रहने वाला हूं अभी जो बाढ़ आई थी उसमें परहा और बुआर पूरी तरह डूब गई थी। वह पतला पड़ गया पहले से बहुत ज्यादा पतला हो गया है इस बाढ़ का कारण है की नाला छोटा है और नाले किनारे अवैध प्लाटिंग की गई है जिससे नाला और प्लाटिंग बराबर भाग में होने से सीधे खेतो में पानी जाता है। पानी निकासी बराबर नहीं हो पाती है जो अब खेतों में घुस जाता है इस बाढ़ से सोनबाटोला के आसपास के अधिकांश खेती प्रभावित होती है। जहां पानी भर जाता है बाढ़ का पानी तो एक से दो दिन रहता है परंतु उससे लंबा यह पानी जमा रहता है। इसमें सीधी नुकसानी है कि धान पतली हो गई है खाद ज्यादा लगेगा सामान्य फसल की तरह यह नहीं उगेगी। हमें इस नुकसानी का मुआवजा मिलना चाहिए और बाढ़ के पानी की बेहतर निकासी बनानी चाहिए।

इनका कहना हैं

बाढ़ में फसल नुकसान की अभी कोई जानकारी हमारे पास नहीं है। इस विषय की जानकारी लेकर सर्वे कार्य करवाने का काम किया जायेगा।

वंदना कुशराम
तहसीलदार वारासिवनी

कलेक्टर कुमार सत्यम ने वारासिवनी तहसील न्यायालय का किया औचक निरीक्षण

तीन माह से अधिक प्रकरण लंबित नहीं रखने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कलेक्टर कुमार सत्यम ने गुरुवार को वारासिवनी तहसील न्यायालय का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील न्यायालय में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर कुमार सत्यम ने तहसीलदार न्यायालय में संचालित प्रकरणों की विस्तार से जानकारी ली। तथा आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज मामलों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी मामला तीन माह से अधिक अवधि तक लंबित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर कुमार सत्यम ने कहा कि न्यायालय में लंबित प्रकरणों की नियमित रूप से प्रतिदिन सुनवाई की जाए, जिससे आम नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पुराने निराकृत प्रकरणों में अमल की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर संबंधित अभिलेखों को अद्यतन किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालयीन कार्यप्रणाली एवं रिकॉर्ड संधारण का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों को शासन के निर्देशों के अनुरूप राजस्व प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार सुश्री वंदना कुशराम भी उपस्थित रहीं।

दुर्गा चौक पर हमला करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में कोर्ट ने भेजा पुलिस रिमांड पर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रजेगाँव के दुर्गा चौक पर युवक पर कुल्हाड़ी व लाठियों से प्राणघातक हमला करने के मामले में वारासिवनी पुलिस को पहली सफलता मिली है। घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि अन्य सहयोगियों की तलाश में लगातार दबिश

दी जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम आरोपियों की पतासाजी में जुटी हुई थी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी प्रकाश पिता लखनलाल खैरवार २४ वर्ष निवासी रजेगाँव को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर आरोपी प्रकाश खैरवार को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मामले की गहराई से विवेचना करने तथा घटना में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी और फरार अन्य सह.आरोपियों के ठिकाने का पता लगाने के लिए पुलिस ने न्यायालय ने आरोपी को पुलिस रिमांड पर भेज दिया हैं। घटना में शामिल अन्य नामजद आरोपियों में पंकज नगपुरे और अनिल खरे की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर पुलिस टीमों द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

खुशबू डहरवाल हत्याकांड में कलार समाज आक्रोशित

प्रगतिशील कलार समाज ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डोंगरगांव की ढूटी नहर में मृत पाई गई युवती खुशबू डहरवाल की संदिग्ध मौत के मामले में प्रगतिशील कलार समाज वारासिवनी ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। समाज के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने रैली निकाल कर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के नाम थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके को एक ज्ञापन सौंपकर मामले की गहन व सूक्ष्मता से जांच करने तथा दोषी को अविलंब गिरफ्तार कर कठोरतम सजा फांसी दिलाने की मांग की है।

निष्पक्ष जांच व आरोपी को फांसी देने की मांग की

ज्ञापन में बताया कि दिनांक ५ अगस्त को ग्राम खमरिया लालबर्रा निवासी खुशबू डहरवाल पिता शंकरलाल डहरवाल का शव डोंगरगांव की नहर में तैरता हुआ पाया गया था। प्रथम दृष्टया यह मामला जघन्य हत्या का प्रतीत हो रहा है। क्षेत्र में चर्चा है कि इस घटना में किसी संदिग्ध युवक की संलिप्तता हो सकती है जिसने इस वारदात को अंजाम दिया है। हमारे समाज की मांग हैं की प्रकरण की बारीकी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जांच की जाए ताकि कोई भी साक्ष्य छूटने ना पाए। आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में मजबूत और ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएं जिससे केस को मजबूती मिले। दोषी को शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय से फांसी की सजा दिलाने हेतु मजबूत पुलिस केस तैयार किया जाए। पुलिस प्रशासन ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले में निष्पक्ष जांच एवं उचित कानूनी कार्यवाही का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर प्रगतिशील कलार समाज वारासिवनी के अध्यक्ष सुनील पिपरेवार, पूर्व अध्यक्ष सुनील जायसवाल ,श्रीमती प्रीति पालेवार, कुलदीप डहरवाल ,ओमप्रकाश बारेवार ,लकेश रामपुरे ,उम्मेद पालेवार ,जितेश बमनोटिया ,रिंकू चापुकर, श्रीमती मनीषा पालेवार ,महेंद्र कावड़े ,अशोक कुमार बिसेन ,एस के दहीकर सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

खुशबू को न्याय मिले आरोपी को फांसी से कम सजा नहीं होनी चाहिए-श्रीति पालेवार

महिला अध्यक्ष श्रीति पालेवार ने बताया कि महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के द्वारा बेहतर वातावरण का निर्माण किया जाए। हमारी जो यह बेटी खुशबू की निर्मम हत्या किसी युवक के द्वारा कर दी गई है यह बहुत गलत है, हम चाहते हैं की खुशबू को न्याय मिले और यह जो आरोपी है उसे फांसी से कम सजा नहीं होनी चाहिए। इस प्रकार का अपराध एवं अपराधी दोनों समाज के लिए घातक है।

मामलों में कठोर कार्यवाही हो इस प्रकार की घटना किसी भी समाज में नही होना चाहिये-सुनील पिपरेवार

अध्यक्ष सुनील पिपरेवार ने बताया कि डोंगरगांव नहर में हमारे समाज की युवती का शव मिला था। पुलिस ने उसमें कार्यवाही कर पता लगाया कि वह शंकरलाल डहरवाल की पुत्री है जो नागपुर में निवास करती थी। कुछ दिनों से यह गायब थी आज इसका पोस्टमार्टम हुआ है जिस प्रकार गला रेतकर हत्या की गई है। तो यह साफ हत्या का प्रकरण लगता है ऐसे मामलों में कठोर कार्यवाही हो ताकि इस प्रकार की घटना किसी भी समाज में ना हो इसीलिए आज हम हमारे समाज के साथ यहां पर आए हैं। इसमें सूक्ष्मता से मामले में जांच हो विवेचना ऐसी हो कि आरोपी छूट ना सके।

१४ वर्षीय नाबालिग से दुराचार का प्रयास मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक १४ वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ घर में घुसकर दुराचार के प्रयास का गंभीर मामला सामने आया है। पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा ८वीं में पढ़ने वाली १४ वर्षीय नाबालिग सुबह अपने घर पर अकेली थी। उसकी मां सुबह ५ बजे मजदूरी के लिए निकल गई थी, जबकि पिता और भाई सुबह ७.३० बजे काम पर गए थे। इसी दौरान पड़ोस में आया एक व्यक्ति अचानक घर के भीतर दाखिल हुआ और नाबालिग के साथ दुराचार का प्रयास करने लगा। बालिका द्वारा विरोध करने और शोर मचाने

पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद आसपास के पड़ोसी और बालिका के माता पिता घर पहुंचे। पीड़िता से पूरी आपबीती सुनने के बाद परिजनों ने तत्काल वारासिवनी पुलिस थाने पहुंचकर मामले की लिखित सूचना दी। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान राजेश फूंडे के रूप में हुई है जो रेलवे फाटक पर गेटकीपर के पद पर कार्यरत है। पुलिस ने पीडिता के बयानों के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध पंजीकृत कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तफ्तीश तेज कर दी है।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज-2026
बालाघाट की 207 टीमें 07 अगस्त को दिखाएगी ज्ञान का दम, उत्कृष्ट विद्यालय में होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश के इतिहास, संस्कृति, पर्यटन स्थलों और प्राकृतिक धरोहर से परिचित कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज-2026 का आयोजन 07 अगस्त को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले के सभी 10 विकासखंडों के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की कुल 207 पंजीकृत टीमें हिस्सा लेंगी।

प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागी टीमों का पंजीयन प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होगा, जबकि सुबह 10 बजे लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित श्रेष्ठ छह टीमें मल्टीमीडिया राउंड में प्रवेश करेंगी। इस अंतिम चरण में क्विज मास्टर द्वारा पूछे गए प्रश्नों के आधार पर विजेता टीम का चयन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में विजेता टीम को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की ओर से पर्यटन भ्रमण कूपन एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे। वहीं उपविजेता टीम को भी आकर्षक पर्यटन पैकेज कूपन और मेडल से सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संबंधित विद्यालयों से समय पर उपस्थित होकर पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत से जुड़ने का बेहतर अवसर है।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्टीय हथकरघा दिवस कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आज़ादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था। इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है। अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज़्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है। हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाज़ारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है। लेकिन इस चमक के पीछे बुनकरों का एक दर्द भी समाहित है। आज मशीनों से धड़ाधड़ बनने वाले सस्ते कपड़ों की वजह से हाथ के कारीगरों को सही दाम और पहचान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बाजार में मशीनी कपड़ों को असली हथकरघा बताकर बेच दिया जाता है, जिससे बुनकरों का हक मारा जाता है। इस धोखेबाज़ी को रोकने के लिए सरकार ने असली कपड़ों की पहचान के लिए हैंडलूम मार्क और जीआई टैग जैसी व्यवस्था की है। साथ ही इंडिया हैंडमेड जैसी वेबसाइट्स के जरिए बुनकरों को सीधे ग्राहकों से जोड़ा जा रहा है ताकि बीच के दलाल उनकी कमाई न खा सकें। हालांकि हथकरघा से जुड़े लोगों का फ़ायदा केवल सोशल मीडिया पर वाह - वाह करने से नहीं होगा। असली बदलाव तब आएगा जब हम अपनी सोच बदलेंगे। हमें अपनी शादियों, त्योहारों और रोजमर्रा के पहनावे में इन कपड़ों को जगह देनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र की सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2026-रिश्वत एक अदृश्य कर?

सबसे अधिक प्रभाव गरीब,निम्न- मध्यमवर्गीय और कमजोर वर्गों पर -कोलंबिया में सफेद हाथी की पोशाक पहनकर सीनेटर के रूप में शपथ -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर आज के डिजिटल युग में भ्रष्टाचार केवल सरकारी फाइलों,बंद कमरों,रिश्वतखोरी या सार्वजनिक धन के दुरुपयोग तक सीमित विषय नहीं रह गया है।अब एक अधूरी सड़क का वीडियो,जर्जरस्कूल की तस्वीर,वर्षों से बंद पड़ा अस्पताल,अधूरा पुल, अनुपयोगी सरकारी भवन या किसी नागरिक की शिकायत कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकती है। पहले नागरिक भ्रष्टाचार की शिकायत करते थे, फिर मीडिया उसे प्रकाशित करता था,उसके बाद जांच एजेंसियां सक्रिय होती थीं और अंततः राजनीतिक या प्रशासनिक कार्रवाई की उम्मीद की जाती थी। लेकिन डिजिटल युग में नागरिक स्वयं कैमरा,रिपोर्टर, तथ्य-संग्रहकर्ता,जनमत निर्माता और कभी-कभी राजनीतिक प्रतिनिधि भी बन रहा है। सोशल मीडिया ने जनता को आवाज तो दी है, लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी खड़ा किया है, क्या डिजिटल निगरानी वास्तव में जवाबदेही बढ़ाएगी या केवल वायरल लोकप्रियता की राजनीति को जन्म देगी? इस प्रश्न का उत्तर इस बात पर निर्भर करेगा कि डिजिटल अभियानों को तथ्य, प्रमाण, स्वतंत्र जांच और संस्थागत सुधार से कितना जोड़ा जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि रिश्वत को अदृश्य कर कहना इसलिए उचित है, क्योंकि यह अक्सर कानून द्वारा निर्धारित कर नहीं होती, फिर भी नागरिक को सेवा प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त आर्थिक कीमत चुकानी पड़ती है। अंतर यह है कि वैध कर सार्वजनिक बजट में दर्ज होता है और उसके उपयोग पर लोकतांत्रिक निगरानी संभव होती है, जबकि रिश्वत निजी लाभ में चली जाती है और सार्वजनिक व्यवस्था को भीतर से कमजोर करती है।इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब, निम्न-मध्यमवर्गीय और कमजोर वर्गों पर पड़ता है। संपन्न व्यक्ति के लिए एक छोटी अवैध राशि आर्थिक असुविधा हो सकती है, लेकिन सीमित आय वाले परिवार के लिए वही राशि भोजन, शिक्षा, दवा या यात्रा के बजट को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकार भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता को बढ़ाने वाला तंत्र भी बन जाता है।संयुक्त राष्ट्र की द सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भ्रष्टाचार औररिश्वतखोरी विकासशील देशों में गरीबों पर अमीर देशों की तुलना में तीन गुना अधिक वित्तीय बोझ डालती है,जिससे 17 प्रतिशत आबादी सीधे प्रभावित हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कड़े कानूनी ढांचे के बावजूद भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के खराब कार्यान्वयन से संस्थागत जवाबदेही कमजोर हो रही है। अब विश्व सहित भारत से यह उम्मीद की जाती है कि भ्रष्टाचार कानून का क्रियान्वयन सख्ती से किया जाएगा? या फिर जंतर मंतर पर जेन जेड के खिलाफ पेपर लीकआंदोलन की तरह भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की रास्ता देखी जाएगी। साथियों, संयुक्त राष्ट्र की सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2026 के अनुसार, जिन देशों के लिए हालिया और तुलनीय आंकड़े उपलब्ध हैं,वहां सार्वजनिक अधिकारियों से संपर्क करने वाले लगभग 17 प्रतिशत लोगों ने बताया कि पिछले 12 महीनों के दौरान उनसे रिश्वत मांगी गई या सार्वजनिक सेवा प्राप्त करने के लिए उन्हें रिश्वत देनी पड़ी। रिपोर्ट के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि निम्न-आय वाले देशों में रिश्वतखोरी का प्रभाव उच्च-आय वाले देशों की तुलना में अधिक व्यापक और गंभीर है। मध्य एवं दक्षिण एशिया में भी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच के दौरान रिश्वत की समस्या चिंता का विषय बनी हुई है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि भ्रष्टाचार केवल प्रशासनिक अनियमितता या आर्थिक अपराध नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और नागरिक अधिकारों से जुड़ी वैश्विक चुनौती है।जब किसी नागरिक को स्वास्थ्य, शिक्षा पुलिस, भूमि, प्रमाण-पत्र, लाइसेंस या अन्य आवश्यक सरकारी सेवा के लिए वैध शुल्क के अतिरिक्त अवैध भुगतान करना पड़ता है, तो रिश्वत एक प्रकार के अदृश्य कर में बदल जाती है। इसका सबसे अधिक बोझ गरीब, निम्न- आय और कमजोर वर्गों पर पड़ता है। इसलिए भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए कठोर कानून के साथ पारदर्शी प्रशासन, डिजिटल जवाबदेही, स्वतंत्र निगरानी, सुरक्षित शिकायत व्यवस्था और सटिका से समयबद्ध कार्रवाई भी आवश्यक है। साथियों भ्रष्टाचार का एक और अधिक गंभीर पक्ष वह है, जो अक्सर बड़े घोटालों की सुर्खियों में दिखाई नहीं देता, आम नागरिक द्वारा दिया जाने वाला छोटा या मजबूरी का भुगतान।किसी प्रमाणपत्र, लाइसेंस,पुलिस कार्यवाही, भूमि संबंधी सेवा,स्वास्थ्य सुविधा या अन्य सार्वजनिक सेवा के लिए यदि नागरिक से अनुचित धन मांगा जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत आर्थिक नुकसान नहीं होता; यह राज्य और नागरिक के बीच विश्वास को कमजोर करता है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य- 16 में शांति, न्याय और मजबूत संस्थाओं के साथ भ्रष्टाचार एवं रिश्वत को कम करने को विशेष महत्व दिया गया है।एसडीड़ी -16 का उद्देश्य प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी संस्थाओं का निर्माण करना है, क्योंकि विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब नागरिकों को सेवाएं निष्पक्ष और समान रूप से उपलब्ध हों। साथियों, बदलती व्यवस्था का एक असाधारण उदाहरण आज 4 अगस्त 2026 को कोलंबिया में सामने आया, जहां भ्रष्टाचार और उपेक्षित सार्वजनिक परियोजनाओं को उजागर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता लुइस कार्लोस रूआ ने सफेद हाथी की पोशाक पहनकर सीनेटर के रूप में शपथ ली। उन्होंने बिना किसी पारंपरिक और बड़े राजनीतिक प्रचार के लगभग 1,24,000 वोट हासिल किए और सीनेट के लिए चुने गए। उनका इस वेशभूषा में संसद पहुँचना यह दिखाने के लिए था कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी इस अनोखी निगरानी को अब संसद के भीतर से भी जारी रखेंगे, उनका यह प्रतीक उन महंगी, अधूरी, अनुपयोगी या कुप्रबंधित सार्वजनिक परियोजनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, जिन पर जनता का धन खर्च तो होता है, लेकिन उनका अपेक्षित लाभ जनता तक नहीं पहुंचता। सोशल मीडिया पर सड़कों, पुलों, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक ढांचों की कमियों को सामने लाने वाले उनके अभियानों ने उन्हें लोकप्रिय बनाया और वे लगभग 1.24 लाख मतों के साथ कोलंबिया के प्रमुख निर्वाचित सीनेटरों में शामिल हुए।यह घटना केवल एक व्यक्ति के संसद पहुंचने की कहानी नहीं है; यह दुनिया की राजनीति में उभर रहे सटीकता से एक बड़े परिवर्तन का संकेत है। साथियों संयुक्त राष्ट्र के भ्रष्टाचार -संबंधी वैश्विक संकेतक भी यह मानते हैं कि रिश्वत की समस्या को केवल दर्ज मामलों से नहीं मापा जा सकता। एसडीडी लक्ष्य 16.5 के अंतर्गत यह देखा जाता है कि सार्वजनिक अधिकारी से संपर्क करने वाले कितने लोगों या व्यवसायों ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत दी या उनसे रिश्वत मांगी गई। यह व्यवस्था इस तथ्य को स्वीकार करती है कि भ्रष्टाचार का वास्तविक अनुभव अक्सर न्यायालय या पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंच ही नहीं पाता।भ्रष्टाचार का प्रभाव विकास की पूरी श्रृंखला पर पड़ता है। यदि सड़क निर्माण में धन का दुरुपयोग होता है, तो सड़क जल्दी टूट सकती है; यदि स्कूल निर्माण में अनियमितता होती है, तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है; यदि स्वास्थ्य परियोजना अधूरी रह जाती है, तो नागरिकों को उपचार के लिए दूर जाना पड़ सकता है; यदि जल परियोजना वर्षों तक लंबित रहती है, तो गरीब परिवारों को पानी खरीदना पड़ सकता है। इस प्रकार भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नागरिकों के समय, आय, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसरों पर भी पड़ता है। कई बार भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी कीमत वह व्यक्ति चुकाता है, जिसने सटीकता से किसी गलत निर्णय में भाग भी नहीं लिया होता। साथियों, इसी संदर्भ में कोलंबिया का सफेद हाथी आंदोलन और रिश्वत का अदृश्य कर, दोनों एक ही समस्या के अलग-अलग रूप हैं। पहला सार्वजनिक धन के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग या परियोजनागत विफलता को उजागर करता है, जबकि दूसरा नागरिक की दैनिक जिंदगी में भ्रष्टाचार के प्रत्यक्ष बोझ को सामने लाता है। एक ओर करोड़ों की परियोजना अधूरी रह सकती है, दूसरी ओर आम व्यक्ति को छोटी सेवा के लिए अवैध भुगतान करना पड़ सकता है। दोनों स्थितियों में सबसे बड़ी क्षति सार्वजनिक विश्वास की होती है। जब नागरिक को लगता है कि कर का धन परिणाम नहीं दे रहा और सेवाओं के लिए अलग से रिश्वत देनी पड़ रही है, तब लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता कमजोर होती है। साथियों, भारत के संदर्भ में यह विषय विशेष महत्व रखता है। भारत ने डिजिटल शासन, ऑनलाइन सेवाओं, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, ई-टेंडरिंग, डिजिटल भुगतान और सार्वजनिक सेवा पोर्टलों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने के अनेक प्रयास किए हैं। डिजिटल व्यवस्था ने कई क्षेत्रों में बिचौलियों की भूमिका कम करने और सेवाओं की निगरानी को आसान बनाने की क्षमता दिखाई है। लेकिन तकनीक अपने आप भ्रष्टाचार समाप्त नहीं करती। यदि निर्णय प्रक्रिया अपारदर्शी हो, डेटा सार्वजनिक न हो, शिकायतों का समयबद्ध समाधान न हो या जिम्मेदारी तय न की जाए, तो भ्रष्टाचार का स्वरूप बदल सकता है। इसलिए डिजिटल शासन के साथ डिजिटल जवाबदेही भी आवश्यक है। साथियों, सोशल मीडिया की भूमिका भी इसी संतुलन में समझनी होगी।

नागरिक पत्रकारिता सार्वजनिक समस्याओं को सामने ला सकती है, लेकिन हर वायरल वीडियो सत्य का अंतिम प्रमाण नहीं होता। अधूरी जानकारी,संपादित वीडियो, राजनीतिक प्रचार,व्यक्तिगत प्रतिशोध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित भ्रामक सामग्री भी जनमत को प्रभावित कर सकती है। इसलिए वायरल और विश्वसनीय को एक मान लेना खतरनाक होगा। नागरिकों द्वारा उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच,दस्तावेजी प्रमाण, प्रशासनिक उत्तर और सार्वजनिक रिपोर्टिंग आवश्यक है। डिजिटल प्लेटफॉर्म को शिकायतों का मंच बनना चाहिए, लेकिन न्याय का विकल्प नहीं।भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी संघर्ष के लिए केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं हैं। कानून के साथ पारदर्शी खरीद व्यवस्था, खुला बजट डेटा,स्वतंत्र लेखा-परीक्षा, समयबद्ध जांच व्हिसलब्लोअर संरक्षण मजबूत लोक शिकायत प्रणाली और सार्वजनिक परियोजनाओं की सामाजिक ऑडिट व्यवस्था आवश्यक है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और उससे उपजी निराशा ने अनेक प्रतिभाशाली छात्रों को आत्महत्या तक के लिए विवश किया। क्या यह भी शिक्षा व्यवस्था की असुरक्षा का ही एक रूप नहीं है?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हमारी सरकारी व्यवस्था अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों जागती है? जब तक कोई बच्चा नदी में बह नहीं जाता, भवन गिर नहीं जाता, आग नहीं लग जाती या कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक प्रशासनिक मशीनरी की संवेदनाएँ जैसे सोई रहती हैं। घटना के बाद जांच समिति बनती है, निलंबन होता है, मुआवजा घोषित होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। यह प्रतिक्रियात्मक शासन व्यवस्था किसी भी सभ्य लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इस विफलता के पीछे भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है। भवन निर्माण से लेकर सड़क, पुल, विद्यालय सुरक्षा प्रमाणपत्र, वाहन फिटनेस और निरीक्षण व्यवस्था तक अनेक स्तरों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है। कई बार बिना सुरक्षा मानकों की पूर्ति किए ही विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और परिवहन वाहनों को अनुमति मिल जाती है। निरीक्षण कागजों में पूरा हो जाता है और वास्तविकता किसी दुर्घटना के बाद सामने आती है। यदि जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति विकसित नहीं होगी तो ऐसी घटनाएँ कभी समाप्त नहीं होंगी।

सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकें बाँटने, छात्रवृत्ति देने और परीक्षाएँ आयोजित करने का नाम नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है-बच्चे के लिए सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक विद्यालय, प्रशिक्षित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निर्भय आवागमन की व्यवस्था। जिस बच्चे का प्रतिदिन का संघर्ष विद्यालय तक जीवित पहुँचने का हो, वह ज्ञान की ऊँचाइयों तक कैसे पहुँचेगा? आज आवश्यकता यह है कि शिक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में नदी या नाले बाधा बनते हैं, वहाँ स्थायी पुलों का निर्माण प्राथमिकता से हो। जब तक पुल नहीं बनते, तब तक सुरक्षित नाव या जल परिवहन की सरकारी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य हो। जर्जर भवनों को तत्काल बंद किया जाए और नए भवनों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। स्कूल वाहनों के लिए कठोर सुरक्षा मानक लागू हों तथा उनका नियमित निरीक्षण हो। प्रत्येक विद्यालय में अग्निशमन, आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार की प्रभावी व्यवस्था हो। साथ ही प्रत्येक दुर्घटना के लिए केवल निचले कर्मचारियों पर कार्रवाई न होकर उच्च अधिकारियों तक जवाबदेही तय की जाए।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक पहुँचेगा। जिस राष्ट्र में बच्चे शिक्षा पाने के लिए जान जोखिम में डालने को विवश हों, वहाँ विकास के दावे अधूरे प्रतीत होते हैं। विश्वगुरु बनने का मार्ग केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सुरक्षित शिक्षा और समान अवसरों से होकर गुजरता है। आज आवश्यकता नए कानून बनाने से अधिक उन कानूनों को ईमानदारी से जमीन पर उतारने की है। जब तक शासन की प्राथमिकताओं में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च स्थान नहीं पाएगी, तब तक विकास के बड़े-बड़े दावे खोखले लगते रहेंगे। सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज-सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश का कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालेगा कि वह पढ़ना चाहता है। यदि भारत को वास्तव में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो सबसे पहले उसे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बचपन और सुरक्षित शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। क्योंकि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों, मंत्रालयों या महानगरों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे विद्यालयों में लिखा जाता है जहाँ मासूम बच्चे अपने सपनों के साथ बैठते हैं। यदि उन सपनों की रक्षा नहीं हो सकी, तो विकसित भारत का स्वप्न भी अधूरा ही रह जाएगा।

-ललित गर्ग

बच्चों का लापता होना समाज के लिए सबसे बड़ी चेतावनी

-कांतिलाल मांडोत

हर गुमशुदा मासूम के पीछे छिपा होता है एक परिवार का आजीवन दु:ख, बाल तस्करी का भयावह खतरा और संगठित अपराध के विरुद्ध सामूहिक जिम्मेदारी

किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे का लापता हो जाना जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी होती है। संसार का कोई भी दु:ख उस पीड़ा की बराबरी नहीं कर सकता, जब एक परिवार का मासूम अचानक उसकी आंखों के सामने से गायब हो जाए। जिस घर में बच्चे की हंसी गूंजती थी, वहां पलभर में सन्नाटा छा जाता है। माता-पिता की रातों की नींद उड़ जाती है, हर दस्तक पर उम्मीद जागती है और हर फोन की घंटी उनके दिल की धड़कन बढ़ा देती है। वर्षों बीत जाने के बाद भी ऐसे परिवार अपने बच्चे के लौटने की आशा नहीं छोड़ते। यह केवल एक घटना नहीं होती, बल्कि ऐसा मानसिक और भावनात्मक आघात होता है जिसके साथ कई परिवारों को पूरी जिंदगी जीना पड़ता है।

राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिमी जिले के आंकड़े इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। वर्ष 2026 में केवल सात महीनों के भीतर 990 लोगों के लापता होने की शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 269 बच्चे शामिल थे। केवल जुलाई महीने में ही 43 बच्चों और 124 अन्य लोगों के लापता होने की शिकायतें पुलिस तक पहुंचीं। हालांकि राहत की बात यह रही कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी निगरानी, ऑपरेशन मिलाप और व्यापक खोज अभियान के माध्यम से इन सभी लोगों को खोजकर उनके परिवारों से मिलाने में सफलता प्राप्त की। यह पुलिस की सक्रियता और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट करता है कि बच्चों के लापता होने की घटनाएं कितनी गंभीर चुनौती बन चुकी हैं।

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनकी सुरक्षा केवल उनके माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का दायित्व है। जब कोई बच्चा लापता होता है तो केवल एक परिवार नहीं रोता, बल्कि समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। आज के समय में अपराधी पहले से कहीं अधिक संगठित और तकनीकी रूप से सक्षम हो चुके हैं। वे मासूम बच्चों को अपना आसान शिकार बनाने के लिए अनेक तरीके अपनाते हैं। कभी लालच देकर, कभी धोखे से और कभी अपहरण करके बच्चों को अपने कब्जे में ले लिया जाता है।

जांच एजेंसियों और विभिन्न मामलों से यह सामने आया है कि अनेक बार बच्चों के लापता होने के पीछे संगठित बाल तस्करी गिरोह सक्रिय होते हैं। ये गिरोह बच्चों को भीख मंगवाने, जबरन मजदूरी कराने या अन्य शोषणकारी गतिविधियों में धकेलने का प्रयास करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को देश के दूसरे राज्यों या विदेशों तक भी पहुंचाया जाता है। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि हर लापता बच्चा ऐसे गिरोहों का शिकार ही होता है। कई बच्चे घर छोड़ देते हैं, कुछ रास्ता भटक जाते हैं और कुछ अन्य व्यक्तिगत या पारिवारिक परिस्थितियों के कारण लापता हो जाते हैं। इसलिए प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक होती है। लेकिन यह भी सच है कि बाल तस्करी एक वास्तविक और गंभीर अपराध है, जिसके प्रति समाज और प्रशासन दोनों को अत्यधिक सतर्क रहना चाहिए।

बच्चों से भीख मंगवाने वाले गिरोह मानवता पर कलंक हैं। ये मासूम बच्चों का बचपन, उनकी शिक्षा और उनका भविष्य छीन लेते हैं। सड़कों, चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर भीख मांगते हुए दिखाई देने वाले कई बच्चों के पीछे मजबूरी के साथ-साथ संगठित अपराध का भी संदेह रहता है। ऐसे गिरोह बच्चों से दिनभर भीख मंगवाकर उनकी कमाई छीन लेते हैं और उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर करते हैं। इससे उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बुरी तरह प्रभावित होता है।

बाल तस्करी का खतरा केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ संगठित अपराध है। अपराधी बच्चों की पहचान बदल देते हैं, उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों में भेज देते हैं और उनके परिवारों से उनका संपर्क पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों को वापस लाना अत्यंत कठिन हो जाता है। यही कारण है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सीमाओं के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सहयोग और सतर्कता आवश्यक है।

दिल्ली पुलिस द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन मिलाप इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जैसे ही किसी व्यक्ति या बच्चे के लापता होने की सूचना मिलती है, पुलिस तत्काल खोज अभियान शुरू करती है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मोबाइल तकनीक, सोशल मीडिया, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, ई-रिक्शा स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों पर तस्वीरें लगाने जैसे उपायों से लापता लोगों की तलाश की जाती है। इन प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने परिवारों तक वापस पहुंच सके हैं। यह दर्शाता है कि यदि समय पर कार्रवाई हो और तकनीक का सही उपयोग किया जाए तो कई परिवारों को बिखरने से बचाया जा सकता है।

इसके साथ ही समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि किसी बच्चे को संदिग्ध परिस्थितियों में देखा जाए, कोई बच्चा डरा-सहमा दिखाई दे या किसी के साथ जबरदस्ती होती नजर आए तो नागरिकों को तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए। जागरूक नागरिक अपराधियों के खिलाफ सबसे मजबूत सुरक्षा कवच बन सकते हैं। स्कूलों में बच्चों को सुरक्षा संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्हें यह बताया जाना चाहिए कि अजनबियों के साथ नहीं जाना है, किसी भी लालच में नहीं फंसना है और संकट की स्थिति में तुरंत परिवार या पुलिस से संपर्क करना है। माता-पिता को भी बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए और उनकी गतिविधियों पर संवेदनशील नजर रखनी चाहिए।

सरकार को भी बाल तस्करी और बच्चों के अपहरण से जुड़े मामलों में और अधिक कठोर कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, आधुनिक तकनीक का विस्तार, त्वरित जांच, फास्ट ट्रैक अदालतों में सुनवाई तथा दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड मिलना आवश्यक है। साथ ही ऐसे बच्चों के पुनर्वास की भी प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए, जो किसी अपराधी गिरोह के चंगुल से मुक्त कराए जाते हैं।

अंततः यह समझना होगा कि किसी भी परिवार के लिए बच्चे का लापता होना केवल एक पुलिस मामला नहीं होता, बल्कि जीवनभर का ऐसा दु:ख होता है जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। एक मां की सूनी आंखें, एक पिता की टूटती उम्मीदें और भाई-बहनों का अधूरा बचपन हमें यह याद दिलाता है कि हर बच्चे की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पुलिस, प्रशासन, सरकार और समाज यदि मिलकर सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तो इस चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है। हर बच्चा सुरक्षित रहेगा, तभी परिवार सुरक्षित रहेगा, समाज सुरक्षित रहेगा और राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। यही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी और सबसे बड़ा मानवीय कर्तव्य है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माँग जारी रहने से शुक्रवार को भी शक्कर में बाजार तेजी के रहे। सूखे मेवों में काजू-बादाम में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में पूछपरख से बाजार तेजी के रहे। सूखे मेवों में बादाम व काजू बाजार बड़त पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। किन्तु बाजार बने रहे। तिलहनों में टिकाव देखा गया। दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चना 6600-6700 रू. क्विंटल पर मजबूत बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5000-5090, खोपरा गोला 375-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 925-950, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 970-1050, सिंगापुरी 850-900, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1710-1720, मुम्बई 1730, राजकोट तेलिया 2680, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1460-1470, कपास्या 1620, धूलिया 1620, कड़ी 1610,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6200-6300, विशाल 6400-6500, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7600, मीडियम 7200-7500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 225500, चाँदी (99) 225100, टंच 224600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 145500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 9 पैसे गिरकर 95.22 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुलकर 95.17 के स्तर तक फिसल गई। कच्चे तेल के दामों में नरमी के बावजूद भू-राजनीतिक जोखिम और डॉलर सूचकांक में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.17 प्रति डॉलर तक फिसल गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 99.72 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरूवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों से भी बाजार में निवेशक लौटे हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स कारोबार के अंत में करीब 373.76 अंक बढ़कर 78,954.76 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.35 अंक ऊपर आकर 24,636 के स्तर पर पहुंचा। आज कुल मिलाकर करीब 2,023 शेयरों में ब ?त रही जबकि 2,058 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 200 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आज ऑटो, मेटल, रियल्टी और मीडिया शेयरों में भारी बिकवाली रही। निफ्टी में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रानिक्स, इटरनल और टाइटन के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाट स्टाली, टीसीएस , जेएस डब्ल्यू व बजाज ऑटो के शेयरों में

गिरावट रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिला-जुला कारोबार रहा। ब्रॉडर बाजार की बात करें तो उसमें मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही। इससे साफ है कि बाजार में निवेशकों का रुझान एक जैसा नहीं रहा । सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर उछले। निफ्टी मीडिया में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी ऑटो और मेटल में करीब 1 फीसदी की गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त पर खुले।

सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 128.65 अंक उछलकर 78,709.65 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 14.20 अंक की हल्की बढ़त के साथ 24,638.85 पर कारोबार कर रहा था। वहीं आज एशियाई बाजारों में दबाव साफ दिखा, जहां जापान का निक्केई 225 लगभग 1.66 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 4.08 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो बुधवार को डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ।

रसोई का बजट बिगड़ा, तेल-दाल से दूध-चीनी तक सब महंगा

नई दिल्ली। एजेंसी। फरवरी 2026 में शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध ने सिर्फ वैश्विक शांति ही भंग नहीं की, बल्कि भारतीय रसोई के बजट को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले पांच महीनों से देश का आम आदमी कमरतोड़ महंगाई की मार झेल रहा है, और अब उपभोक्ता मामले विभाग की ताजा रिपोर्ट ने चिंताएं और बढ़ा दी हैं। साल 2026 की शानदार शुरुआत के बाद, देश का दूसरा महीना आम जनता के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन गया था, और फिलहाल राहत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच महीनों में राशन की लगभग 99 प्रतिशत वस्तुओं की कीमतों में भारी इजाफा दर्ज किया गया है। खाने-पीने की मुख्य 36 चीजों में से 35 के दाम बढ़ चुके हैं, जिनमें खाने का तेल और दालें सबसे तेजी से महंगी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दालों के दामों में उछाल का एक बड़ा कारण इस बार का कमजोर मानसून भी है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों की फसल पिछले साल के मुकाबले लगभग 7 प्रतिशत कम रही है, जिससे देश में दालों का उत्पादन घटा है और आयात पर निर्भरता बढ़ी है। आम जनता की मुसीबतें यहीं खत्म होती नहीं दिख रहीं हैं। सावन के बाद राखी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा और दीवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं। त्योहारों के दौरान बाजार में खाने-पीने की चीजों की मांग काफी बढ़ जाती है। बाजार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि वैश्विक स्तर पर ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण बने हालात ऐसे ही बने रहे, तो आने वाले त्योहारी सीजन में महंगाई का ग्राफ और भी ऊपर जाएगा, जिससे आम आदमी का बजट पूरी तरह चरमरा सकता है।

भारत का घातक काल ड्रोन वैश्विक बाजार में दस्तक देने को तैयार

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी का अचूक मारक क्षमता वाला ड्रोन काल अब अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। नोएडा स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा निर्मित यह मानव रहित विमान (यूएवी) खाड़ी देशों सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित कर रहा है, जो इसे अपनी सैन्य जरूरतों के लिए खरीदने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। केंद्र सरकार एवं निर्यात प्रक्रियाओं से आवश्यक मंजूरी मिलते ही काल ड्रोन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारा जाएगा। यह भारत का पहला पूर्णत: स्वदेशी लंबी दूरी का ड्रोन है, जिसे लंबी दूरी के सटीक-स्ट्राइक मिशन और दूरदराज के सामरिक लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 1,000 किलोमीटर की प्रभावशाली परिचालन रेंज और 7 से 8 घंटे तक लगातार उड़ान भरने या काम करने की क्षमता वाला काल ड्रोन 50 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी यह क्षमता इसे लंबी दूरी के मिशन के लिए एक शक्तिशाली और बहुपयोगी उपकरण बनाती है। आईजी डिफेंस कंपनी ने बताया कि कई खाड़ी देशों ने विशेष रूप से अपनी सामरिक और युद्धक्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए इस ड्रोन को खरीदने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में अमेरिका-ईरान तनाव से उपजे संकट के कारण क्षेत्र में लंबी दूरी तक मार करने वाले किफायती हथियारों और अन्य सैन्य साजो-सामान की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसने काल जैसे ड्रोनों के लिए एक अनुकूल बाजार तैयार किया है। आईजी डिफेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भविष्य के युद्ध स्वायत्त और लंबी दूरी के सटीक हमला करने वाले हथियारों पर ही आधारित होंगे। ड्रोन काल भारत की उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मित्र राष्ट्रों की आधुनिक रक्षा क्षमताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी विश्वसनीय, किफायती और उपयोग के लिए तैयार मानवरहित प्लेटफार्मों के साथ खड़ी है, जो सभी आवश्यक सरकारी अनुमोदनों और निर्यात प्रक्रियाओं का पालन करेगी।

आज का राशिफल

मेष- आज भाग्य आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। मनचाही खुशखबरी मिलने से घर और दोस्तों के बीच खुशी का माहौल रहेगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और रुके हुए काम भी तेजी से पूरे होंगे। मित्रों का साथ दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम, विश्वास और अपनापन रिश्ते को और मजबूत करेगा। आपकी बातचीत का तरीका बड़े अधिकारियों और ग्राहकों को प्रभावित करेगा। मंगल देव का गोचर टीम के साथ मिलकर काम करने और नए विचारों पर चलने में मदद करेगा। सहकर्मियों के साथ बिना बात के झगड़े से बचें।

वृषभ- आज का दिन नई ऊर्जा और खुशियों से भरपूर रहेगा। किसी शुभ समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। परिवार, खासकर पिता का सहयोग आपके लिए लाभदायक साबित होगा। कारोबार में अच्छे अवसर मिलेंगे और नई शुरुआत भविष्य में फायदे का रास्ता खोलेगी। घर का माहौल भी प्रेम और स्वादिष्ट व्यंजनों से महकेगा। जमा पूंजी, परिवार के सामान या कमाई बढ़ने से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। खुद पर फालतू पैसे खर्च करने का मन हो सकता है, फिर भी अपने खर्चों पर लगाम रखें।

मिथुन- आज नए अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक देंगे। व्यापार में सोच-समझकर लिया गया फैसला भविष्य में बड़ा लाभ दिला सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मित्रों के सहयोग से अच्छी खबर मिल सकती है। सेहत को लेकर किया गया सही निर्णय आपको राहत और सुकून देगा। जल्दबाजी में फैसले न लें तो आपकी स्थिति ठीक बनी रहेगी। बजट बनाने और पुराने बकायों को चुकाने पर अपना ध्यान लगाएं।

कर्क- आज आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। किसी खास व्यक्ति के साथ बिताया गया समय मन को प्रसन्न करेगा। परिवार से जुड़ी कोई बड़ी खुशी आपका गर्व बढ़ा सकती है। बच्चों और बुजुर्गों का साथ मानसिक शांति देगा। मेहनत के दम पर सफलता की नई सीढ़ियां चढ़ने के संकेत हैं। बचत को लेकर अच्छी सलाह मिलेगी। बिना लिखा-पढ़ी के किसी को धन उधार न दें।

सिंह- आज उत्साह और जोश आपके हर काम में दिखाई देगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए सफलता के संकेत मजबूत हैं। व्यापार में अच्छी कमाई के योग बनेंगे। सकारात्मक सोच आपके लिए बंद दरवाजे भी खोल सकती है।

कन्या- आज किस्मत आपका अच्छा साथ देगी। रुका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों को सम्मान और तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग आपके निर्णयों को और मजबूत बनाएगा। विद्यार्थियों को गुरुजनों के मार्गदर्शन से कठिन विषय भी आसान लगेंगे।

तुला- आज खुशियों की सौगात आपके घर दस्तक दे सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और कार्यशैली विरोधियों को भी प्रभावित करेगी। अधूरे काम पूरे होंगे और व्यापार में लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार और बच्चों के साथ बिताया गया समय दिन को यादगार बना देगा। आपके दोस्त और बड़े लोग करियर के बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेंगे। लंबी अवधि के निवेश से बहुत अच्छा फायदा मिल सकता है।

वृश्चिक- आज आपका आत्मबल नई ऊंचाइयों पर रहेगा। नौकरी में पदोन्नति और आय बढ़ने के शुभ योग बन रहे हैं। परिवार का सहयोग हर कदम पर आपका हौसला बढ़ाएगा। स्वास्थ्य में सुधार के संकेत हैं और नियमित योग आपको लंबे समय तक फिट रखेगा। यह समय आपके काम को नई पहचान देगा। दफ्तर में किसी से बहस करने से बचें और अपने काम समय पर पूरे करें। आपका धैर्य आपकी छवि सुधारेगा।

धनु- आज प्रगति की नई राहें खुल सकती हैं। व्यापार में साझेदारी लाभदायक साबित होगी। इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। सेहत अच्छी रहेगी, लेकिन संतुलित खानपान भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगा। पढ़ाई, यात्रा और नए हुनर सीखने में तेजी आएगी। अनुभवी लोगों की सलाह से आप करियर में सही फैसले लेंगे। नई बातें सीखने के लिए यह समय बहुत उत्तम है।

मकर- आज उन्नति के नए अवसर आपका इंतजार कर रहे हैं। निवेश से पहले सही सलाह लेना लाभदायक रहेगा। कीमती वस्तु या नया वाहन खरीदने का योग बन सकता है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और मधुरता बढ़ेगी। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना भी बन सकती है। किसी भी काम में फालतू जोखिम न लें। सही योजना के साथ आगे बढ़ें और अपनी सेहत का पूरा ध्यान रखें।

कुम्भ- आज मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छी प्रगति हो सकती है। विद्यार्थी अपने संदेह दूर कर पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। परिवार के साथ खुलकर बातचीत करने से कई उलझनों का समाधान मिलेगा। नए लोगों के साथ मिलकर काम करना आगे चलकर फायदेमंद रहेगा।

मीन- आज लाभ और सम्मान दोनों आपके पक्ष में रहेंगे। आपका विनम्र स्वभाव लोगों का दिल जीत लेगा। नया कारोबार शुरू करने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह आपको बड़ी सफलता की ओर ले जा सकती है। योजनाबद्ध तरीके से किया गया हर प्रयास भविष्य में शानदार परिणाम देगा।

शब्दजाल - 8343

शब्द जाल में यूरोपीय संघ के 10 सदस्य देशों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

आस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, नीदरलैंड, स्वीडन, युनाइटेड किंगडम

श	रा	आ	स्ट्रि	या	गा	ह	ट	झ	क	यू
बे	ल्जि	य	म	रिं	लै	ता	स्वी	शा	को	ना
ज	र	डे	झि	दा	चि	सिं	डा	ला	ड	
फ्रां	स	दा	न	ल	क	ड़	न	दा	र	टे
व	रा	र	श	मा	मि	ज	र्म	नी	र	ड
फि	ह	प	व	दा	र्क	ला	ती	झ	न	किं
न	टे	नी	अं	ग्री	स	ट	ह	ला	ह	
लैं	जी	वा	द	क	छ	सौ	न	ट	जू	ड
ड	थो	तें	व	र	ज	दा	ने	दा	र	म
र	ल	प	ति	रं	लैं	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	ड	ख	ला	ह	ट

शब्दजाल - 8342 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.20 बजे से
चंद्र	वृष में	कन्या	08.32 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.43 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.58 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.14 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.19 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.05 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.38 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.09 बजे से
		वृष	23.49 बजे से
		मिथुन	01.47 बजे से
		कर्क	04.00 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 219 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 16.37 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 18.43 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 12.11 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 05.48 बजे, गर 16.37 बजे तदनन्तर वणिज 03.21 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 28' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872794 **जूलियन दिन** 2461259.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 23 **विशेष** मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: जीने का ढंग

एक शिष्य ने गुरु से पूछा, 'गुरुवर! संसार में किस ढंग से रहना चाहिए?' गुरु बहुत ही ज्ञानी थे। पहले तो प्रश्न सुनकर मुस्कराए फिर बोले, 'अच्छा प्रश्न किया है, एक दो दिन में व्यवहार द्वारा ही उत्तर दूंगा।' अगले दिन एक श्रद्धालु मिठाइयां लेकर आए और उन्होंने स्नेहपूर्वक गुरु को मिठाइयां भेंट कीं। संत ने उन्हें ले लिया और पीठ फेरकर सब खा गए। न वहां बैठे लोगों में से किसी को दिया, न भेंट करने वाले की ओर कोई ध्यान दिया। जब वह चला गया तो गुरु ने शिष्य से पूछा, 'उस व्यक्ति पर क्या प्रतिक्रिया हुई?' शिष्य ने बताया, 'दुखी होकर भला-बुरा कहता गया है। कहता था ऐसा भी क्या संत। सब खा गया। न मुझे पूछा, न किसी और को।' अगले दिन दूसरा व्यक्ति भेंट लाया। संत ने भेंट उठाकर पीछे फेंक दी और लाने वाले से बड़े प्यार से बातें करते रहे। बाद में पता चला कि वह व्यक्ति भी दुखी होकर गया। उसका कहना था, 'अजीब संत हैं। मुझसे तो इतना प्यार जताया, मगर मेरी भेंट का अपमान कर दिया।' फिर तीसरा व्यक्ति भेंट लाया। संत ने उसे आदर से लिया। कुछ स्वयं खाया, कुछ उसे दिया और कुछ अन्य शिष्यों में वितरित करवा दिया। भेंट देने वाले से स्नेहपूर्वक चर्चा भी की। शिष्य ने सूचना दी कि यह व्यक्ति प्रसन्न होकर उनकी सराहना करता हुआ गया। गुरु ने शिष्य को समझाया, 'बेटे। तीन तरह के व्यवहार में यही ढंग ठीक लगता है। दाता यानी भगवान बड़ी भावना से हमें विभूतियां देता है, हम उन्हें तो भोगते हैं, दाता की ओर ध्यान नहीं देते, यह पहला व्यवहार हुआ। दूसरा व्यवहार यह है कि हमने उसकी दी विभूतियों को तो त्याग दिया और उसकी खूब स्तुतियां करते रहे। तीसरा व्यवहार यह है कि दाता का उपकार मानते हुए उसकी ही विभूतियों का सही ढंग से प्रयोग करें। उनसे परमार्थ करें और दाता के साथ भी सहज संबंध बनाकर रखें। यही ढंग ठीक है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7287

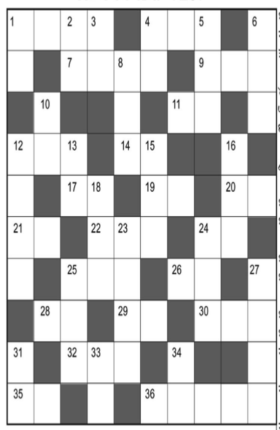

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेरय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 7286

बे	व	फा	■	ब	■	प्रे	म	रो	ग
खु	■	य	ल	गा	र	■	हा	■	ब
दी	वा	र	■	व	■	आ	न	बा	न
■	दा	■	श	त	रं	ज	■	जी	■
स	■	श	क्ति	■	ग	■	जं	ग	ली
हे	मा	■	मा	या	■	सा	ग	र	■
ली	■	शा	न	■	का	ज	ल	■	स
■	स	र	■	जु	नू	न	■	फू	ल
शा	न	दा	र	■	न	■	शू	■	मा
■	म	■	वि	द्या	■	ब	ल	वा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7596

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7595 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8811

बाएँ से दाएँ

1. प्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8810 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	ला	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	रा	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	बा	च	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
ब	र	■	त	र	फ	■	न	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बनने के साथ ही जर्जर हो गई करोड़ो की लागत वाली सड़क

कांद्रीघाट से कट्टीपार व कट्टीपार कला सड़क, पीआईयू-1 ने कराया है निर्माण कार्य, वर्ष 2026 में निर्मित्त सड़क की गारंटी 2031 तक है फिर भी जर्जर हो गई

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय धन के दुरूपयोग में कोई भी विभाग पीछे नही है। घटिया निर्माण कराकर शासकीय राशि के दुरूपयोग का मामला आये दिन उजागर होते रहते है। इसी तरह का सडक निर्माण हुआ है लांजी क्षेत्र में जो गारंटी पीरियड में ही जर्जर हो गई और आवागमन करने लायक नही बचा। जानकारी अनुसार कांद्रीघाट से कट्टीपार एवं कट्टीपार कला तक सडक का निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक परियोजना क्रमांक-1 बालाघाट द्वारा कराया गया है। जिसकी लागत करोडो में है। प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत कि.मी. 45 आफ टी 02 से कटूटीपारकला लंबाई 8.50 कि.मी., जिसकी लागत 419.98 लाख रूपये है। का निर्माण वर्ष 2023 में प्रारंभ कराया गया था जो कि विभाग ने मार्च 2026 में कार्य पूर्ण होने के पूर्व ही पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर दिया। पैकेज क्रमांक 01-812 के तहत निर्मित इस सडक का निर्माण कार्य 17.01.2023 को प्रारंभ किया गया। मेसर्स रायसिंग एण्ड कंपनी बालाघाट द्वारा निर्मित्त किये गये इस मार्ग के चितडे उड गये है। ठेकेदार द्वारा मार्ग पूर्ण होने के उपरांत मार्ग की 5 साल की गारंटी भी दी गई है। परंतु विभागीय अधिकारियों की मिली भगत के कारण अत्यंत गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य कराया गया और बनने के साथ ही सड़क ने दम तोड़ दी। इसी तरह प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत कांद्रीकला से कटूटीपार सडक का निर्माण कराया गया है। जिसकी लंबाई 9.70 कि.मी. है। इस मार्ग निर्माण की लागत 454.42 लाख रूपये है और इस मार्ग को पैकेज क्रमांक एमपी01-812 के तहत कराया गया है इस कार्य की भी निर्माण एजेंसी रायसिंग एण्ड कंपनी है। प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत म.प्र.सडक विकास प्राधिकरण क्रियान्वयन ईकाई-01 बालाघाट के माध्यम से निर्मित्त इस मार्ग की हालत अत्यंत जर्जर है। जबकि यह मार्ग भी गारंटी पीरियड में है। ठेकेदार द्वारा पांच वर्ष की गारंटी दी गई है जिसकी अवधि 2031 में पूर्ण होगी।

अधिकारियों व ठेकेदार की मिली भगत में बनी घटिया सड़क

प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत निर्मित्त दोनो मार्ग में अत्यंत गुणवत्ताहीन सामग्री का प्रयोग किया गया है। जिसका परिणाम यह रहा कि पहली ही बारिश में सड़क जगह जगह से बह गई एवं पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच गई। दोनो मार्गो की लागत लगभग 8 करोड चौहत्तर लाख रूपये की है। क्रियान्वयन ईकाई क्रमांक-01 के अधिकारियों एवं ठेकेदार की मिली भगत के कारण सडक निर्माण में भारी अनियमितता की गई और विभागीय अधिकारियों ने निर्माण की गुणवत्ता का परीक्षण ही नही किया। यही नही परियोजना क्रियान्वयन इकाई 01 द्वारा इस क्षेत्र में कराये गये सडक निर्माण में इसी तरह की धांधली बरती गई है।

निर्माण के समय निरीक्षण होता तो गुणवत्तापूर्ण बनती सडक

जिस समय इन दोनो मार्गो का निर्माण हो रहा था उस समय अगर इस मार्ग का अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाता तो संभवत- निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो सकता था परंतु अधिकारियों ने ठकेदार को संरक्षण दिया और घटिया सडक निर्माण पर किसी तरह का एक्शन नही लिया। प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत निर्मित्त इस मार्ग निर्माण में सर्वाधिक लापरवाही संबंधित विभाग के अधिकारियों की है। जिन्होने इस ओर ध्यान ही नही दिया।

सी.सी.जारी होने के बाद भी निर्मित्त होते रही सड़क

इन दोनों मार्ग के निर्माण में हद दर्जे की लापरवाही विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई है। सूत्रो के मुताबिक इन दोनो मार्गो के निर्माण की सीसी(पूर्णता प्रमाण पत्र) सडक निर्माण पूर्ण होने के पहले ही जारी कर दिया गया। जबकि उस समय निर्माण कार्य प्रारंभ ही था। ग्रामीणों ने बताया कि अभी 1-2 महीना पूर्व भी इस मार्ग में निर्माण कार्य चल रहा था, जबकि हमारे सूत्रो ने जो जानकारी दी है उसके मुताबिक निर्माण कार्य का सी.सी. मार्च महीने में ही विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।

नवागत कलेक्टर से कार्यवाही की अपेक्षा

हाल ही में जिले की कमान संभालने वाले नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम से इस मार्ग निर्माण की जांच कर दोषियो के विरूद्ध कार्यवाही की अपेक्षा ग्रामीणों ने की है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण के समय भी संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार का ध्यान इस ओर आर्कषित किया गया था परंतु उन्होने इस ओर ध्यान ही नही दिया। परिणाम यह हुआ कि करोड़ो की लागत से निर्मित्त यह दोनो मार्ग बनने के साथ ही जर्जर हो गए और आवागमन करने लायक नही रहे। जिसके लिये संबंधित विभाग के अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही होनी चाहिए।

कुलपा के स्कूल में पानी का संकट

600 से अधिक विद्यार्थियों को पीने व टॉयलेट तक के लिए होना पड़ रहा परेशान, चार हैंडपंप होने के बावजूद डेढ़ माह से दो बंद, बिजली गुल होते ही ठप हो जाती है पूरी जल व्यवस्था; ग्रामीणों ने पीएचई विभाग और प्रशासन से की तत्काल मरम्मत की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत कुलपा में पेयजल व्यवस्था बदहाल होने से शासकीय स्कूलों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ही परिसर में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला और शासकीय हाई स्कूल में करीब 600 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन यहां मूलभूत सुविधा पानी का गंभीर संकट बना हुआ है। स्कूल परिसर में कुल चार शासकीय हैंडपंप लगे हैं। इनमें से दो हैंडपंपों पर मोटर लगाकर पानी की टंकियों में भरकर टॉयलेट, बाथरूम, पीने के पानी और मध्यान्ह भोजन के लिए उपयोग किया जाता है। जबकि शेष दो हैंडपंप करीब डेढ़ माह से बंद पड़े हैं। ऐसे में बारिश के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होते ही मोटर बंद हो जाती है और पूरे स्कूल की जल व्यवस्था ठप पड़ जाती है। स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि विद्यार्थियों को टॉयलेट और बाथरूम के लिए स्कूल परिसर से बाहर जाना पड़ता है, वहीं कई बच्चे घर से पानी की बोतल लाने को मजबूर हैं। मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए भी रसोइयों को बाहर से बाल्टियों में पानी मंगवाना पड़ता है, जिससे बच्चों और कर्मचारियों दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। केवल स्कूल ही नहीं, बल्कि पूरे ग्राम पंचायत क्षेत्र में पेयजल संकट गहराया हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि विभिन्न वार्डों में लगे कई शासकीय हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं, जबकि कुछ हैंडपंपों पर लोगों ने मोटर लगाकर निजी उपयोग शुरू कर दिया है। कहीं मकान निर्माण जैसे कार्यों में भी इनका इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे अन्य ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पाता। बिजली बंद होने या नल-जल योजना के मोटर खराब होने की स्थिति में गांव के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या पर जनप्रतिनिधि और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग दोनों ही उदासीन बने हुए हैं। कई बार शिकायत के बावजूद खराब हैंडपंपों की मरम्मत नहीं कराई गई है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि सभी बंद पड़े हैंडपंपों को तत्काल चालू कराया जाए, ताकि स्कूल और गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

क्या कहते हैं प्राचार्य

निजाम सिंह देहारी, प्राचार्य, शासकीय हाई स्कूल कुलपा ने बताया कि, हमारे स्कूल परिसर में चार हैंडपंप हैं, जिनमें से दो करीब डेढ़ माह से बंद पड़े हैं। दो हैंडपंपों में मोटर लगाकर टंकी और नलों के माध्यम से बच्चों के टॉयलेट, बाथरूम, पीने के पानी और मध्यान्ह भोजन के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन बिजली नहीं रहने पर पूरी व्यवस्था ठप हो जाती है। ऐसी स्थिति में बच्चों को मजबूरी में बाहर जाना पड़ता है और मध्यान्ह भोजन के लिए बाहर से पानी मंगवाना पड़ता है। इस संबंध में ग्राम पंचायत कुलपा के सरपंच को पूर्व में लिखित सूचना भी दी जा चुकी है।

पीपलगांव कला में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ संपन्न

सेवा, संस्कार और जनजागरण का बना प्रेरणादायी संगम, स्वास्थ्य शिविर के साथ ही पौधारोपण, नशा मुक्ति, प्लास्टिक मुक्त अभियान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने छोड़ी अमिट छाप

पद्मेश न्यूज। लांजी। 30 दिन-30 गांव अखण्ड रामायण पाठ अभियान के तहत लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम पीपलगांव कला में 5 अगस्त से प्रारंभ हुआ अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ 6 अगस्त 2026 को पूर्ण श्रद्धा, भक्ति और जनसहभागिता के साथ संपन्न हुआ। स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों, अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में धर्म, सेवा, संस्कार, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 212 ग्रामीणों का निऱ्शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। वहीं निऱ्शुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर में 113 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें 23 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इन सभी का निऱ्शुल्क उपचार कराया जाएगा।

रामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में उतारने का लिया संकल्प

समापन अवसर पर संतजनों, प्रबुद्ध नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों ने श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक है।

बेटियों की सेवा, शिक्षा और सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी का दिया संदेश

कार्यक्रम में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को बालिकाओं को शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश भी दिया गया।

स्वास्थ्य, स्वच्छता और नशा मुक्ति के प्रति किया जागरूक

स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा गंभीर बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही नशा मुक्ति जनजागरण अभियान के माध्यम से युवाओं और ग्रामीणों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने की प्रेरणा दी गई।

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने का आह्वान

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत ग्रामीणों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। लोगों से कपड़े एवं जूट के थैलों का उपयोग करने तथा गांव को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

गौ पूजन, हवन और पौधारोपण से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ के समापन पर हवन-यज्ञ एवं गौ माता का पूजन किया गया तथा गौ संरक्षण का संकल्प लिया गया। इसके बाद बैंड-बाजों के साथ गांव में जागरूकता रैली निकालते हुए 25 पौधों, जिनमें रुद्राक्ष एवं चंदन के पौधे भी शामिल थे, का पौधारोपण किया गया। ग्रामीणों ने इन पौधों की बच्चों की तरह देखभाल करने का संकल्प लिया।

महिलाओं ने मनाया हल्दी-कुमकुम उत्सव

महिला मंडल द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कार, आपसी सम्मान और सुख-समृद्धि का संदेश दिया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे का सम्मान करते हुए परिवार और समाज में संस्कारों को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जीता सभी का मन

समापन समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। ग्रामीणों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें हर संभव सहयोग देने का संकल्प लिया।

इनका रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में भोजराज धनोले, राकेश नाकतोडे, नारायण अवसरे, हेमंत नाकतोडे, घनश्याम नाकतोडे, नारायण नाकतोडे, राजेंद्र अवसरे, रामेश्वर आवरे, श्यामलाल पांचे, चंद्रकुमार धनोले, माणिकलाल धनोले, लीलाधर ठाकरे, मक्खनलाल सिरसाम, पंकज अवसरे, राधेश्याम ठाकरे, राहुल नाकतोडे, निकेश महेश्वरे, राजा दरवरे, लखन दरवरे, तामेश्वर बाघमारे, चंदन नाकतोडे, लुरेश पांचे, अनिल नाकतोडे, सुनील नाकतोडे, बीरेन्द्र बेदरे, संतोष नाकतोडे, सालिकराम अवारिया, हेमेन्द्र अवारिया सहित समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

टेमनी में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ

इधर, क्षेत्र के ग्राम टेमनी में 6 अगस्त को शिव मंदिर परिसर में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का संगीतमय शुभारंभ किया गया। स्थानीय नागरिकों एवं ग्राम समितियों के सहयोग से प्रारंभ हुए इस आयोजन का समापन 7 अगस्त को होगा। समापन अवसर पर निऱ्शुल्क स्वास्थ्य शिविर, मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म और सेवा के इस महाअभियान का हिस्सा बनने की अपील की है।

अतिक्रमण को लेकर नगर परिषद लांजी की नाप-जोख शुरू, व्यापारी संघ ने विधायक से की चर्चा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी द्वारा नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की तैयारी के तहत नाप-जोख का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय व्यापारियों में भी चर्चा का माहौल है। इसी संबंध में व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे से उनके निवास कार्यालय पंहुच कर मुलाकात की तथा व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों से अवगत कराया। बैठक में व्यापारी संघ अध्यक्ष गौरीशंकर सातपुते, संघ के पदाधिकारी, व्यापारीगण, लांजी सीएमओ मयूर वाहने, उपयंत्री अमित नगपुरे, सहित कार्यालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में नगर परिषद के अतिक्रमण को लेकर जारी नोटिस के संबन्ध तथा नगर की यातायात व्यवस्था, आमजन की सुविधा तथा व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए

विस्तृत चर्चा हुई। नगर परिषद लांजी के द्वारा कहा गया कि नगर बेतरतीब ढंग से अतिक्रमण फैला हुआ है जिससे परेशानी बढ़ने लगी है। यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है खरीदी करने आए ग्राहको को वाहन खड़े करने जगह नहीं रहती, जिसको लेकर अब कार्यवाही किया जाना अनिवार्य हो चुका है जिससे नगर की व्यवस्था मे सुधार लाया जा सके। अनेकों दुकानों के सामने आवश्यकता से कही अधिक अतिक्रमण किया गया है जो कि परेशानी का कारण बन चुकी है। इस पर विधायक श्री कर्राहे ने सुझाव दिया कि दुकान के सामने 5 फिट तक टीन शेड लगया जाए वो भी ऊपर, जमीन मे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होना चाइये चर्चा के दौरान इस बात पर सहमति बनी कि दुकानों के सामने अधिकतम 5 फीट तक टीन शेड लगाने की अनुमति रहेगी। बैठक में यह भी कहा गया कि निर्धारित सीमा का पालन करते हुए नगर को व्यवस्थित एवं अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए सभी पक्ष सहयोग करेंगे। नगर परिषद द्वारा नाप-जोख का कार्य जारी है और आगामी दिनों में नियमानुसार आगे की कार्रवाई किए जाने की संभावना है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में आज से फील्ड वाला फाइडे

अब हर शुक्रवार जनता के बीच रहेंगे अधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार ने प्रशासन को जनता के और करीब लाने के उद्देश्य से फील्ड वाला फाइडे अभियान शुरू किया है। 7 अगस्त यानी इस शुक्रवार से 8 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार विभागों के वरिष्ठ अधिकारी कार्यालयों के बजाय मैदान में रहकर योजनाओं की समीक्षा करेंगे और आम लोगों की शिकायतों का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, हर शुक्रवार अधिकारियों की प्राथमिकता फील्ड विजिट होगी और जनहित से जुड़े कार्यों की जमीनी समीक्षा की जाएगी।

शुक्रवार को नहीं होंगी बैठकें

अभियान के दौरान शुक्रवार को विभागाध्यक्षों, प्रमुख सचिवों, अपर मुख्य सचिवों, कलेक्टरों और संभागायुक्तों की ऑनलाइन या ऑफलाइन समीक्षा बैठकें आयोजित नहीं की जाएंगी, ताकि अधिकारी पूरा समय क्षेत्रीय निरीक्षण और जनसंपर्क में दे सकें। हालांकि, अधिकारी प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार अपने भ्रमण क्षेत्र का चयन कर सकेंगे। यदि किसी अपरिहार्य कारण से कोई वरिष्ठ अधिकारी निर्धारित शुक्रवार को फील्ड में नहीं जा सकेगा, तो उसे मुख्य सचिव कार्यालय को पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा।

सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई पर विशेष फोकस

अभियान के दौरान सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रत्येक सप्ताह सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करें। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की निगरानी करें। अनावश्यक रूप से लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करें।

योजनाओं की जमीनी निगरानी

फील्ड भ्रमण के दौरान अधिकारी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों की प्रगति और सेवा वितरण की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करेंगे। संभाग स्तर पर पदस्थ अपर संचालक और संयुक्त संचालकों को भी नियमित रूप से जिलों का दौरा कर विभागीय कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

कम खर्च में अभियान चलाने के निर्देश

सरकार ने अधिकारियों को भ्रमण के दौरान वाहनों की पूलिंग करने और अनावश्यक खर्च से बचने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि अभियान कम लागत में प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। इस पहल का उद्देश्य प्रशासन को कार्यालयों से बाहर निकालकर सीधे जनता के बीच ले जाना, शिकायतों का त्वरित समाधान करना और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत का आकलन करना है।

श्रीकृष्ण पर सही जवाब, जीतिए 1 लाख की स्कॉलरशिप

- मप्र सरकार की नई योजना, 10 अगस्त से शुरू होगी ऑनलाइन क्विज

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार युवाओं को भारतीय संस्कृति और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से जोडने् के उद्देश्य से भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना शुरू करने जा रही है। इस योजना के तहत भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, गीता, 16 विद्याओं और 64 कलाओं से जुड़े प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले छात्रों को एक-एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। योजना की ऑनलाइन प्रक्रिया 10 अगस्त से शुरू होगी।

मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि यह पहल युवाओं, विशेषकर जेन-जी, को भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जोडने् के लिए शुरू की गई है।

102 छात्रों को मिलेगी 1-1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति

योजना के तहत प्रदेश के 55 जिलों से कुल 102 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इनमें 51 छात्रवृत्तियां विद्यालय स्तर पर और 51 छात्रवृत्तियां महाविद्यालय स्तर पर दी जाएंगी। प्रत्येक चयनित छात्र को 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। विजेताओं को 1 नवंबर को सम्मानित किया जाएगा।

500 सवालों की होगी ऑनलाइन क्विज

योजना में भाग लेने के लिए 10 अगस्त से ऑनलाइन लिंक उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतियोगिता पूरी तरह डिजिटल होगी। कुल 500 प्रश्न अपलोड किए जाएंगे। प्रतिभागियों को इनमें से कम से कम 30 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों में से लॉटरी के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा। केवल मध्य प्रदेश के विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे। स्कूल और कॉलेज दोनों स्तर के छात्र पात्र होंगे। कॉलेज स्तर पर किसी भी संकाय के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। अध्ययनरत किसी भी आयु वर्ग के छात्र इसमें भाग ले सकते हैं। मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी के अनुसार, योजना का उद्देश्य केवल धार्मिक जानकारी देना नहीं, बल्कि युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल से जोडना् है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में 64 दिनों में 16 विद्याएं और 64 कलाएं सीखी थीं। उसी प्रेरणा के आधार पर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोडने् का प्रयास किया जा रहा है।

सभी धर्मों के छात्र ले सकेंगे भाग

श्रीराम तिवारी ने स्पष्ट किया कि यह प्रतियोगिता किसी धर्म विशेष तक सीमित नहीं है। उनके अनुसार, पूर्व में आयोजित गीता ज्ञान प्रतियोगिताओं में मुस्लिम, ईसाई और जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया था और कई विजेता भी बने थे। उन्होंने कहा कि ज्ञान किसी धर्म, जाति या समुदाय की सीमाओं में बंधा नहीं होता, इसलिए सभी पात्र विद्यार्थी इस योजना में भाग ले सकते हैं।

सही उत्तर देने वालों में लॉटरी के माध्यम से अंतिम चयन

यह योजना भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से युवाओं तक पहुंचाने का प्रयास मानी जा रही है। साथ ही, यह विद्यार्थियों को आर्थिक प्रोत्साहन के साथ सांस्कृतिक अध्ययन के लिए भी प्रेरित करेगी।

देश में हर 6वां बाल अपहरण मप्र से

लोकसभा में प्रस्तुत केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

भोपाल। मध्य प्रदेश में बच्चों के अपहरण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में प्रदेश में 11,594 बाल अपहरण एवं व्यपहरण के मामले दर्ज किए गए। यह देश में महाराष्ट्र (12,950) के बाद दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज 75,108 मामलों में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से अधिक है। यानी देश में दर्ज होने वाले लगभग हर छह बाल अपहरण मामलों में एक मामला मध्य प्रदेश का है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2020 में प्रदेश में 7,058 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2024 तक यह संख्या बढकर् 11,594 पहुंच गई। यानी पांच वर्षों में बाल अपहरण के मामलों में करीब 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

महाराष्ट्र पहले, मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर

बाल अपहरण के मामलों में महाराष्ट्र पहले, मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र में 12,950 मामले सामने आए हैं। वहीं मध्य प्रदेश में 11,594, उत्तर प्रदेश में 8,350, ओडिशा में 6,814 और पश्चिम बंगाल में 5,661 मामले सामने आए हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौती बनी हुई है।

बरामदगी के आंकड़े राहत भी देते हैं

रिपोर्ट का दूसरा पहलू कुछ राहत देने वाला है। वर्ष 2024 में प्रदेश में 11,669 बाल पीड़ितों का रिकॉर्ड दर्ज हुआ, जबकि 11,652 बच्चों को जीवित बरामद किया गया। हालांकि गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बरामद बच्चों में केवल 2024 में लापता हुए बच्चे ही नहीं, बल्कि पिछले वर्षों में अपहृत होकर बाद में मिले बच्चे भी शामिल हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की खोज और बचाव प्रणाली पहले की तुलना में अधिक सक्रिय और प्रभावी हुई है, लेकिन अपहरण की बढ़ती घटनाएं अब भी गंभीर चिंता का विषय हैं।

तकनीक से मजबूत हुई तलाश

बच्चों की खोज और तस्करी रोकने के लिए केंद्र और राज्यों ने कई तकनीकी एवं संस्थागत कदम उठाए हैं। ट्रैक चाइल्ड पोर्टल को मिशन वात्सल्य से जोड़ा गया। खोया-पाया मॉड्यूल के जरिए आम नागरिक भी लापता बच्चों की सूचना दे सकते हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम 112 से एकीकृत किया गया। रेलवे में ऑपरेशन एएएचटी और नन्हे फरिश्ते अभियान संचालित किए जा रहे हैं। राज्यों में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को मजबूत किया गया है।

हालिया मामलों ने बढ़ाई चिंता

हाल के दिनों में सामने आए मामलों ने भी इस समस्या की गंभीरता उजागर की है। इंदौर में बाणगंगा पुलिस ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया, जो नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर उन्हें बालिग बताकर जबरन शादी कराता था और लाखों रुपये की ठगी करता था। ग्वालियर में बुंदेलखंड एक्सप्रेस से अगवा हुई 18 माह की बच्ची को जीआरपी ने 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि बाल अपहरण के अधिकांश मामलों के पीछे मानव तस्करी, जबरन विवाह, बाल श्रम, पारिवारिक विवाद, प्रेम संबंधों में नाबालिगों का घर छोडना् और सोशल मीडिया के माध्यम से बच्चों को बहलाने-फुसलाने जैसे कारण प्रमुख हैं।

छह साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर पुलिस ने छह वर्ष से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी सुनील पिता राजकुमार नेवारे 27 वर्ष ग्राम कोस्ते थाना किरनापुर निवासी है।

किरनापुर पुलिस के मुताबिक सुनील नेवारे के विरुद्ध वर्ष 2019 में अपराध क्रमांक 146/2019 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 279, 337, 338 तथा मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई बालाघाट न्यायालय में चल रही थी। बताया गया है कि जमानत मिलने के बाद सुनील रोजगार के सिलसिले में हैदराबाद चला गया था। इस दौरान वह न्यायालय में निर्धारित तिथियों पर लगातार उपस्थित नहीं हुआ।जिसके चलते न्यायालय ने उसके विरुद्ध स्थायी वारंट जारी कर दिया।किरनापुर पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि सुनील हाल ही में अपने गांव लौटा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने 5 अगस्त को उसके घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार वारंटी सुनील को बालाघाट न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों की धरपकड़ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पटवारी संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल से कामकाज हो रहे प्रभावित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। मध्यप्रदेश पटवारी संघ अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार चौथे दिन भी तहसील कार्यालय किरनापुर के समक्ष अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटा रहा। हड़ताल के कारण राजस्व विभाग से जुड़े कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार द्वारा सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन और हड़ताल जारी रहेगी। वहीं आम नागरिकों को नामांतरण, सीमांकन, आय-जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र सहित अन्य राजस्व कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने सरकार से शीघ्र वार्ता कर मांगों का समाधान निकालने की अपील की है।

नक्सल मोर्चे पर तैनात कोबरा बटालियन के एएसआई के शव का 6 घंटे बाद पोस्टमार्टम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नक्सल उन्मूलन अभियान में तैनात 208 कोबरा बटालियन के सहायक उप निरीक्षक सत्येंद्र शाह 42 वर्ष की गुरुवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। जिला अस्पताल में उन्हें सुबह करीब 9 बजे मृत घोषित कर दिया गया था। लेकिन उनका पोस्टमार्टम लगभग छह घंटे बाद शाम 4 बजे शुरू हो सका। इस घटना ने जिला अस्पताल की ऑनलाइन पोस्टमार्टम व्यवस्था, प्रशासनिक समन्वय और संवेदनशील मामलों में कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुबह अचानक तबियत बिगड़ी और हो गई मृत्यु

प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्येंद्र शाह मूल रूप से जगदंबा बिहार वेस्ट सागरपुर नई दिल्ली के निवासी थे और वर्तमान में बालाघाट जिले के बड़गांव स्थित 208 कोबरा बटालियन में पदस्थ थे। वे अपनी पत्नी के साथ बड़गांव में किराए के मकान में रहते थे। 6 अगस्त की सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर पहले उनका बटालियन के अस्पताल प्राथमिक उपचार किया गया। जहां से तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद सुबह करीब 9 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ऑनलाइन पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की गई शुरू

मृत्यु की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने किरनापुर थाना को पोस्टमार्टम संबंधी ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी भेजी। बताया गया कि ऑनलाइन मर्ग पंजीयन एवं पोस्टमार्टम रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने में विलंब हुआ। दोपहर करीब 2:30 बजे मर्ग क्रमांक और रजिस्ट्रेशन नंबर उपलब्ध होने के बाद भी पोस्टमार्टम तत्काल शुरू नहीं हो सका। शाम करीब 4 बजे पोस्टमार्टम की कार्रवाई प्रारंभ हुई।

इस दौरान 208 कोबरा बटालियन की डिप्टी कमांडेंट सानिया अमित मलानी, बटालियन के जवान, जिला अस्पताल पुलिस चौकी का स्टाफ तथा अन्य अधिकारी अस्पताल परिसर में मौजूद रहे। पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शाम करीब 4:30 बजे पार्थिव शरीर को बटालियन के वाहन से किरनापुर ले जाया गया।जहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी देने के बाद उसे नई दिल्ली स्थित पैतृक निवास भेजने की व्यवस्था की गई।

यदि सुरक्षा बल के अधिकारी को इंतजार करना पड़ा- तो आम नागरिकों का क्या होता होगा

यह मामला केवल एक पोस्टमार्टम में हुई देरी का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। जिस जिले में नक्सल विरोधी अभियान में लगे सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती है। वहां ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए एक अधिकारी के शव का पोस्टमार्टम छह घंटे तक लंबित रहना चिंताजनक माना जा रहा है।यदि ऐसी परिस्थितियों में भी त्वरित कार्रवाई संभव नहीं हो पाती तो सड़क दुर्घटना, आत्महत्या, संदिग्ध मौत, विषाक्त पदार्थ सेवन अथवा अन्य मामलों में आने वाले सामान्य नागरिकों और उनके परिजनों को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

वैकल्पिक ऑफलाइन व्यवस्था लागू करना आवश्यक

तकनीकी कारणों से यदि ऑनलाइन व्यवस्था बाधित हो जाए तो अस्पताल प्रशासन को तत्काल वैकल्पिक ऑफलाइन व्यवस्था लागू करने का अधिकार और व्यवस्था होनी चाहिए। इससे संवेदनशील मामलों में समय पर पोस्टमार्टम संभव होगा और मृतकों के परिजनों को अनावश्यक

मानसिक पीड़ा से राहत मिलेगी।

जिला मुख्यालय में पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की मौजूदगी के बावजूद यदि इस प्रकार की स्थिति सामने आती है। तो संबंधित विभागों को पूरे घटनाक्रम की समीक्षा कर व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

एसपी से सहयोग की अपेक्षा

यह घटना जिला मुख्यालय में हुई है।जहां जिले के तेज-तर्रार पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा भी पदस्थ हैं। कोबरा बटालियन के जवान के साथ हुई इस घटना के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस ऑनलाइन प्रक्रिया की खामियों को दूर करेंगे, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को इस तरह की पीड़ा न झेलनी पड़े।

प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के तहत लांजी में प्रशिक्षण, ग्राम विकास में सक्रिय भागीदारी पर जोर

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड लांजी में प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामों में गठित प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों, नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाता सीएम इंटर्न का एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पंचायत लांजी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समिति सदस्यों की क्षमता वृद्धि कर उन्हें ग्राम विकास कार्यों में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम में जिला समन्वयक महेश पटले ने विशेष रूप से उपस्थित होकर कहा कि प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम स्तर पर गठित समितियों को सशक्त बनाया जा रहा है। प्रशिक्षण से समिति सदस्यों की कार्यक्षमता बढ़ती है और वे ग्राम विकास, जनभागीदारी तथा सामाजिक अभियानों में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि मां की स्मृति अथवा उनके नाम पर लगाए गए पौधों की देखभाल तब तक की जाए, जब तक वे पूर्ण विकसित वृक्ष न बन जाएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का जनआंदोलन है। बैठक में 12 से 17 अगस्त के बीच आयोजित होने वाली हरियाली कलश नवांकुर सखी यात्रा की कार्ययोजना तैयार की गई। साथ ही हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने प्रस्फुटन समिति के सदस्यों को ग्राम विकास गतिविधियों के दस्तावेजीकरण का प्रशिक्षण दिया तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में रमेश असाटकर, घनश्याम पारधी, लवकुश यादव, डोमेश्वर सोनवाने, मुनेश पटले, विजय हटिले, संदीप रामटेककर, अशोक घरते, ज्योति शकरपुड़े, निलेश्वर ठाकरे, गणेश लिल्हारे, तुलसीराम उइके, राजू भीमटे, आकाश ऐडे, अशोक अस्तने, रामदास नगपुरे, राजकुमार नगपुरे, जुनेद शेख, पिंकी अग्रवाल, रज्जू यादव, भूमेश लिल्हारे, क्षत्रपाल सिहोरे सहित नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, सीएम इंटर्न एवं 26 ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

गंभीर घायल को ऑटो से अस्पताल पहुंचाकर रविदास ने पेश की मानवता की मिसाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़े एक व्यक्ति की मदद के लिए जहां मौके पर मौजूद लोग केवल तमाशबीन बने रहे और कुछ लोग वीडियो बनाने में व्यस्त रहे वहीं एक गरीब युवक ने मानवता का परिचय देते हुए घायल को अपने प्रयासों से ऑटो में बैठाकर अस्पताल पहुंचाया। युवक की इस संवेदनशील पहल की सराहना हो रही है।

जानकारी के अनुसार मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम रेहंगी में 6 अगस्त दोपहर लगभग 2 बजे एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा था। उसके सिर और पैर में गंभीर चोटें थीं तथा मुंह से लगातार खून बह रहा था। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा थी लेकिन कोई भी घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए आगे नहीं आ रहा था।इसी दौरान ग्राम छपारा बैहर निवासी 29 वर्षीय रविदास गायकवाड वहां पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए एक ऑटो की व्यवस्था की और घायल व्यक्ति को तत्काल बिरसा अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया। उनकी इस तत्परता से घायल को समय पर उपचार मिल सका।सूचना मिलते ही बिरसा थाना से सहायक उप निरीक्षक कुँवर टेकाम, प्रधान आरक्षक चंद्र कुमार डहरिया एवं प्रधान आरक्षक संजय दमाहे अस्पताल पहुंचे और रविदास गायकवाड के बयान दर्ज किए। चूंकि दुर्घटना स्थल मलाजखंड थाना क्षेत्र में आता है इसलिए आगे की विवेचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला मलाजखंड थाना को सौंप दिया गया।प्राथमिक उपचार के बाद घायल व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया।रविदास गायकवाड का यह मानवीय कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। ऐसे समय में जब कई लोग केवल दर्शक बने रहते हैं। उनकी संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय ने यह साबित कर दिया कि इंसानियत आज भी जिंदा है।

वार्ड क्रं.24 में हुआ स्तनपान सप्ताह अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के वार्ड क्रं.24 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 51, 53 तथा 79 में संयुक्त रूप से स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम में पोषण आहार चावल आधारित खिचड़ी के पैकेट वितरित किये गये। जहां वार्ड पार्षद तथा नगरपालिका में महिला एवं बालविकास सभापति उज्जवल आमाडारे ने नवजात शिशुओं बेहतर स्वास्थ्य एवं कुपोषण की रोकथाम के लिए पोषण आहार को सर्वोत्तम आहार बताया।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं महिला समूहों के माध्यम से जानकारी दी गई कि गर्भवती एवं धात्री माताओं को जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान शुरू कराना जरूरी है जबकि जन्म से छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने तथा छह माह बाद पूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखने के महत्व भी समझाये गये। जबकि स्तनपान से संबंधित पोस्टर एवं संदेशों के माध्यम से माताओं को जागरूक किया गया तथा विभिन्न भ्रांतियों का वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर निराकरण किया गया। वार्ड में जागरूकता रैली निकाली गई,जिसके माध्यम से आमजन को स्तनपान के महत्व का संदेश दिया गया। इस अवसर पर श्याम लाल चौरे, आकाश सोनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पुस्तकला मेढेकर, सरोज कटरे, उमा उके, सहायिका प्रिती मेश्राम, दुर्गा बिरिया, श्रीमती गेडाम सहित वार्ड की अनेक महिलाएँ एवं लाभार्थी उपस्थित रहीं।

पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

1-1 से सीरीज बराबरी पर आयी

जमैका। बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराकर सीरीज में बराबरी हासिल कर ली है। इसी के साथ ही दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गयी है। सीरीज का पहला टेस्ट वेस्टइंडीज ने जीता था। इसके मैच को जीतने ही पाक ने 1105 दिनों बाद विदेशी धरती पर कोई टेस्ट मैच जीता है।

इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 344 रन बनाये थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने युवा सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक के शतक की सहायता से 387 रन बनाकर पहली पारी में 43 रनों की बढ़त दर्ज की। शफीक के इस शतक की पाक टीम की जीत में अहम भूमिका रही। वहीं दूसरी पारी में, पाकिस्तानी स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को केवल 117 रनों पर ही समेट दिया। इससे पाक को जीत के लिए केवल 74 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला जो उसने 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्लाह शफीक दोनों 24-24 रन बनाकर नाबाद रहे। पाक को विदेशी धरती पर अपनी पिछली टेस्ट जीत साल 2023 में श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। इसके बाद से ही टीम विदेश में कोई टेस्ट नहीं जीत पाई थी।

ऋषभ उत्तराखंड के सबसे बड़े आयकरदाता बने, रिकॉर्ड 23 करोड़ 84 लाख रुपये दिये

देहरादून । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उत्तराखंड में सबसे बड़े आयकरदाता के रुप में सामने आये हैं। ऋषभ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 23 करोड़ 84 लाख रुपये आयकर दिया। ऋषभ की कुल कमाई करीब 120-150 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। हालांकि इस बारे में कोई पक्का प्रमाण नहीं है पर उनकी मैच फीस, आईपीएल और बीसीसीआई अनुबंध के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

उनकी आय के कई स्रोत हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से उन्हें काफी बड़ी राशि मिलती है। दिपिटल्स ने उन्हें 16 करोड़ रुपये पर रखा था। इसके अलावा, वह बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में ग्रेड बी में हैं, जिसके लिए उन्हें सालाना तीन करोड़ रुपये मिलते हैं। भारतीय टीम से भी उन्हें मैच फीस के तौर पर प्रति टेस्ट मैच के लिए 15 लाख रुपये और प्रति एकदिवसीय के लिए छह लाख रुपये मिलते ।

इसके अलावा विज्ञापनों और ब्रांड शूट और एंडोर्समेंट से भी उन्हें मोटी कमाई होती है। एक ब्रांड शूट के लिए वह लगभग 2.5 करोड़ रुपये प्रति दिन और दो दिन के इवेंट के लिए 4.5-4.75 करोड़ रुपये लेते हैं। एडिडास, ड्रीम 11, बोट, जेएसडब्ल्यू जैसी कई बड़ी कंपनियों के साथ उनके ब्रांड एंडोर्समेंट हैं जिससे उन्हें सालाना 8-15 करोड़ रुपये मिलते हैं। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर उनके करोड़ों फॉलोअर्स हैं। इसमें पोस्ट, इसके अलावा उनके पास दिल्ली से लेकर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून और रुड़की तक में आलीशान घर हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है। कारों की बात करें तो उनके पास 1.32 करोड़ रुपये की ऑडी ए8, लगभग 2 करोड़ रुपये की फोर्ड मस्टैंग और लगभग 2 करोड़ रुपये की मर्सिडीज-बेंज जीएलई जैसी लग्जरी कारें भी हैं। इसके अलावा वह वर्ल्ड पिकलबॉल लीग की एक टीम के मालिक भी है।

लंदन गोल्फ चैंपियनशिप आज से, दीक्षा करेंगी भारतीय दल की अगुवाई

लंदन। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर 6 से 9 अगस्त तक होने वाली 2 मिलियन डॉलर की लंदन चैंपियनशिप में भारतीय दल की अगुवाई करेंगी। लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) गोल्फ के यूनाइटेड किंगडम लेग का यह अंतिम चरण सेंचुरियन क्लब में आयोजित किया गया है। दीक्षा के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत की ही अदिति अशोक, प्रणवी उर्स और नई खिलाड़ी अवनी प्रशांत भी उतरेंगी। दीक्षा ने दो बार एलईटी खिताब जीता है। वह साल 2023 में टूर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं। पिछले सप्ताह एआईजी विमेंस ओपन में कट से बाहर होने के बाद भी वह एलईटी रेस टू कोस्टा डेल सोल स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर बनी हुई हैं, और अभी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली भारतीय गोल्फर हैं। दीक्षा अब अपने तीसरे एलईटी खिताब की तलाश में हैं और साल 2023 में शीर्ष-3 में रहने के बाद ऑर्डर ऑफ मेरिट पर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को और बेहतर बनाने का प्रयास करेंगी। वहीं पांच बार की एलईटी चैंपियन अदिति अशोक भी इस प्रतियोगिता में एक प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेंगी। इस सत्र में वह अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखी हैं पर अनुभवी होने के कारण इस गोल्फर को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी निरंतरता को फिर से हासिल कर पाएंगी जिसने उन्हें टूर की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बनाया है जबकि अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाली प्रणवी ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष-50 खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा अवनी प्रशांत ने अपने पहले एलईटी सत्र में सभी को प्रभावित करते हुए शीर्ष-50 में अपनी जगह बनाई है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि चार में से तीन भारतीय खिलाड़ी रेस टू कोस्टा डेल सोल स्टैंडिंग में शीर्ष-60 में हैं। गौरतलब है कि लंदन चैंपियनशिप लगातार छठे साल सेंचुरियन क्लब में आयोजित हो रही है, जहां कई देशों के खिलाड़ी 2 मिलियन डॉलर की इनामी राशि के लिए उतरेंगे।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपनी जीत के रिकार्ड को बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

गॉल । श्रीलंका दौरे पर पहुंची भारतीय टीम अपने जीत के रिकार्ड को बनाये रखने के इरादे से दो टेस्ट मैचों की सीरीज में उतरेगी। दोनो के बीच ये सीरीज 15 अगस्त से शुरु होगी। भारतीय टीम पिछले एक दशक से श्रीलंका में कोई टेस्ट नहीं हारी है। इस दौरान खेले सभी 10 मैचों को उसने जीता है और उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। अब इस बार भी भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ अपने शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को कायम रखना होगा, जिसे तोड़ने की चुनौती मेजबान टीम के सामने होगी।

मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन हमेशा से प्रभावशाली रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 46 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिनमें से भारतीय टीम ने 22 में जीत दर्ज की है। वहीं, श्रीलंका केवल 7 मुकाबले ही जीत पायी है, जबकि 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ पिछले 10 टेस्ट मैचों में एक बार भी नहीं हारी है। भारत को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में आखिरी हार साल 2015 में मिली थी, जिससे स्पष्ट है कि पिछले कई वर्षों से भारतीय टीम इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अजेय रही है और इस सीरीज में भी वह अपनी इस श्रेष्ठता को बरकरार रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि इस बार भारतीय टीम को अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरना होगा।

टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बटलर बोले, वैभव मेरा रिकार्ड तोड़ेगा

लंदन। यहां जारी द हंड्रेड टूर्नामेंट में इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज जोस बटलर ने मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। बटलर ने इस मैच में वेस्टइंडीज के आक्रामक ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड के सबसे अधिक 14,803 रनों के रिकार्ड को तोड़ दिया। वेल्श फायर के खिलाफ मैच में सिर्फ 20 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर बटलर ने अपने 14,833 रन पूरे किये। इसी के साथ ही वह टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये।

बटलर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद कहा कि मेरा ये रिकार्ड भविष्य में भारत के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी तोड़ेंगे। वेल्श फायर के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए इस मुकाबले में बटलर को कायरन पोलार्ड के 14,803 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए 22 रनों की जरूरत थी। बटलर ने इस मैदान पर उतरते ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए यादगार पारी खेली। बटलर ने केवल 20 गेंदों में ही नाबाद 51 रन बना दिये। इसमें 2 चौके और 6 छक्के शामिल थे। इससे बटलर के आक्रामक अंदाज का पता चलता है। इस आतिशी पारी के बदौलत बटलर के टी20 करियर में अब 522 मैचों में कुल 14,833 रन हो गए हैं, जिससे वह दुनिया के सबसे सफल टी20 बल्लेबाज बन चुके हैं। यह उनकी दीर्घकालिक प्रदर्शन और निरंतरता का अद्वितीय प्रमाण है। मैच के बाद अपनी इस महान उपलब्धि के बारे में पूछे जाने पर, बटलर ने विनम्रतापूर्वक और आत्मविश्वास के साथ कहा, यह वाकई बहुत शानदार अहसास है कि आपके नाम टी20 में सबसे ज्यादा रन दर्ज हैं। लेकिन रिकॉर्ड तो बनने ही टूटने के लिए हैं। एक दिन कोई न कोई इस आंकड़े को जरूर पार करेगा और मुझे लगता है कि उस खिलाड़ी का नाम शायद वैभव सूर्यवंशी होगा। बटलर का यह बयान वैभव की असाधारण प्रतिभा पर उनके अटूट विश्वास को दिखाता है, इसने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उत्साह से भर दिया है। वैभव ने तक 40 टी20 मैचों में 1,670 रन बना चुके हैं, जो उनकी कम उम्र को देखते हुए एक प्रभावशाली आंकड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे से वापसी करेंगे नेसर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज माइकल नेसर के अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे से वापसी की उम्मीदें हैं। नेसर को दाहिने पैर की पिंडली में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की 13-सदस्यीय टीम शामिल नहीं किया गया है। टीम के लिए हालांकि राहत की बात ये है कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड चोट फिट होकर टीम में वापस आ गये हैं। नेसर ने इससे पहले एशेज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 19.93 की औसत से 15 विकेट लिए थे, जिसमें गाबा में अपने घरेलू मैदान पर पहली बार टेस्ट में एक पारी में 5 विकेट भी शामिल थे। वह बांग्लादेश बंगलादेश सीरीज के लिए, स्टैंडबाय पर थे, जिससे अगर चार मुख्य तेज गेंदबाजों में से किसी को चोट लगती, तो वे उनकी जगह ले सकें।

दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप में नजर आयेंगे दिग्गज सितारे

15 से 18 अक्टूबर तक होगा आयोजन

नई दिल्ली । दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डॉलर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनों का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलरॉय के अलावा गत चैम्पियन टॉमी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनक खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फॉक्स भी शामिल हैं। इसके अलावा यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। गौरतलब है कि डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप रेस टू दुबई के नौ टूर्नामेंटों में आठवां है, जो इसे यूरोपीय टूर के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप, दुबई में नवंबर में होने वाले फाइनल के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाता है। खिलाड़ी न केवल विशाल इनामी राशि के लिए बल्कि रेस टू दुबई रैंकिंग में महत्वपूर्ण अंकों के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिससे टूर्नामेंट में एक अतिरिक्त तीव्रता और ड्रामा जुड़ जाएगा।

17 अगस्त से शुरु होगी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप

सिंधु को महिला एकल में नौवीं वरीयता मिली

नई दिल्ली। 17 से 23 अगस्त तक यहां खेली जाने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की पी वी सिंधु को महिला एकल वर्ग में नौवीं वरीयता मिली है। वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता प्रदान की गई है। भारत को सिंधु और सात्विकसाइराज, चिराग की जोड़ी से पदक जीतने की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय दल इस बार विश्व चैंपियनशिप में एक मजबूत चुनौती पेश करने की तैयारी में है। सिंधु ने हाल ही में जापान ओपन टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही ओलंपिक में भारत के लिए दो बार पदक भी जीता है। दूसरी ओर, पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी भी अच्छी लय में है। इस जोड़ी ने साल 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और अब विश्व चैंपियनशिप में भी इतिहास रचना चाहती है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को 14वीं वरीयता दी गयी है। ये उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन का परिणाम है।

मिश्रित युगल में भी भारत की ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 15वीं वरीयता दी गई है। भारत ने इस चैम्पियनशिप के सभी पांचों वर्गों में दो-दो प्रविष्टियां भेजी हैं, जो देश में बैडमिंटन की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को दर्शाता है।

वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वरीयता की बात करें तो, पुरुष एकल में चीन के विश्व चैम्पियन शि युकी को शीर्ष वरीयता मिली है, जबकि महिला एकल में दक्षिण कोरिया की स्टार खिलाड़ी आन से यंग को पहली वरीयता दी गई है। जापान की मौजूदा महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी वरीयता मिली है। उनके अलावा, चीन की वांग झि यि तीसरी और चेन युफेई चौथी वरीयता के साथ टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगी। आयोजकों ने यह भी कहा कि यदि कोई वरीय खिलाड़ी ड्रॉ से पहले अपना नाम वापस लेता है, तो वरीयता क्रम में बदलाव किया जा सकता है। इस चैम्पियनशिप से बैडमिंटन प्रेमियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक ही मंच पर खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा।

अगरकर के नाम है दर्ज हैं किंग पेयर जैसा दुर्लभ रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर आजकल अपने चयन संबंधी फैसलों को लेकर सुर्खियों में हैं। अगरकर अपने समय के एक अच्छे ऑलराउंडर माने जाते रहे हैं हालांकि उनके नाम एक ऐसा अनचाह रिकार्ड किंग पेयर भी दर्ज है। किंग पेयर रिकार्ड बेहद दुर्लभ माना जाता है और कुछ ही खिलाड़ियों से जुड़ा है किंग पेयर क्रिकेट की दुनिया का एक ऐसा तकनीकी शब्द है जो टेस्ट मैच में एक बल्लेबाज के लिए, सबसे शर्मनाक पलों में से एक को दिखाता है। किंग पेयर उस बल्लेबाज को दिया जाता है जो किसी एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपनी पहली ही गेंद पर बिना कोई रन बनाए आउट (गोल्डन डक) हो जाये। ये इसलिए बेहद दुर्लभ माना जाता है, क्योंकि एक ही मैच में दो बार पहली गेंद पर शून्य पर कुछ ही खिलाड़ी आउट हुए हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के लिए हतोत्साहित करने वाला अनुभव होता है। यह इस बात का प्रतीक है कि बल्लेबाज दोनों बार अपनी टीम के लिए खाता भी नहीं खोल पाया।

गौरतलब है कि अगरकर के साथ यह घटना साल 1999 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेले गए एक टेस्ट मैच के दौरान हुई थी। तब उस मैच में अगरकर जब भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी करने उतरे, तो दोनों ही पारियों में वह पहली गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। इससे उनके नाम किंग पेयर जैसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया। यह घटना उनके करियर के उन पलों में से एक है, जिसे कोई भी पेशेवर क्रिकेटर याद नहीं रखना चाहेगा।

अगरकर हालांकि किंग पेयर बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। उनसे पहले, भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर बी. चंद्रशेखर के नाम भी यह रिकॉर्ड दर्ज है।

पाकिस्तान टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंची

लाहौर। पाकिस्तान की वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में भी बदलाव आया है। इस जीत के साथ ही पाक टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में वेस्टइंडीज की जगह पर आठवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं पहले वह अंतिम स्थान पर थी। यह पाकिस्तान की जुलाई 2023 के बाद पहली विदेशी टेस्ट जीत है, जो उनकी पिछली इस जीत से पाक के अंक प्रतिशत (पीसीटी) 22.22 तक पहुंच गये हैं। वहीं वेस्टइंडीज अब 20.83 पीसीटी अंकों के साथ नौवें स्थान पर फिसल गया है। इस जीत से पाक टेस्ट टीम डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी हुई है। डब्ल्यूटीसी की ताजा अंकतालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम 87.50 प्रतिशत अंकों के साथ ही शीर्ष पर बनी हुई है।

कोच गंभीर ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बोले एकजुट होकर हर चुनौती का सामना करें

गॉल। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने श्रीलंका दौरे पर गयी भारतीय टीम का हौसला बढ़ाया है। गंभीर ने कहा है कि हमें एकजुट होकर हर चुनौती का सामना करना है। यह दौरा टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पिछले कुछ समय में भारत के प्रदर्शन में गिरावट आई है जिससे उसके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी झटका लगा है। टीम के लगातार खराब प्रदर्शन के कारण गंभीर ही नहीं चयनसमिति के प्रमुख अजीत अगरकर भी निशाने पर हैं। भारतीय टीम को 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंका से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईद्द) ने भी एक वीडियो जारी किया है। इसमें गंभीर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहते हैं, हम हर जरूरी चीज पूरी करनी होगी। हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है और हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम कड़ी मेहनत कर सकते हैं, अपनी सीमाओं को पार कर सकते हैं और हर जरूरी चीज पूरी कर सकते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हम हर उस सवाल और चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे जो हमारे सामने आएगी। गौरतलब है कि साल 2017 में भारत ने श्रीलंका में आखिरी बार टेस्ट सीरीज खेली थी और 3-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। हालांकि, पिछले नौ सालों में हालात काफी बदले हैं। अब भारतीय टीम को न केवल विदेशी धरती पर, बल्कि अपने घर पर भी टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ रहा है। इससे गंभीर ही नहीं अगरकर समेत कई बड़े नामों की कुर्सी भी खतरे में मानी जा रही है। ऐसे में यह सीरीज भारत के लिए, करो या मरो की स्थिति लेकर आई है। टीम इंडिया श्रीलंका पहुंचने के साथ ही अभ्यास में लग गयी है। सात अगस्त से एकमात्र प्रैक्टिस मैच भी खेला जाना है, जो मौजूदा हालात में बेहद अहम माना जा रहा है। भारतीय टीम बीते सालों में स्पिन के खिलाफ जिस तरह संघर्ष करती दिखी है, उस लिहाज से यह अभ्यास मैच अहम होगा। इससे खिलाड़ियों को लय में आने का अवसर मिलेगा। इसी कारण कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे कई प्रमुख बल्लेबाजों ने श्रीलंका आने से पहले ही स्पिन के खिलाफ विशेष अभ्यास शुरू कर दिया था। गंभीर ने टीम बैठक में नए खिलाड़ियों सारांश जैन और आकिब नबी के साथ-साथ नए फील्डिंग कोच सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारी टीम में कुछ नए खिलाड़ी आए हैं। सबसे पहले सारांश, बधाई हो, यहां तक ??पहुंचने के लिए तुमने बहुत मेहनत की है। गंभीर ने आगे कहा, मैं आकिब को भी बधाई देना चाहता हूं, तुम्हारा पिछला सत्र शानदार रहा और तुमने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। आखिर में गंभीर ने सुभादीप घोष का भी स्वागत करते हुए कहा कि, उन्होंने कई सालों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे भरोसा है कि उनका जुनून और प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बालाघाट जिला-बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष /फेक्स क्रमांक 07632-241318/247101 एवं ईमेल cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमांक / स्वा./ई-निविदा/2026/6029 बालाघाट तारीख 06/08/2026

।। निविदा सूचना ।।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा निम्नांकित सामग्री क्रय करने/सेवाये प्रदाय करने हेतु पंजीकृत संविदाकारो / पंजीकृत संस्थाओं से वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है -

क्र	टेंडर आई.डी	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	बयाना राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य अवधि
01	2026_UAD_527542_1	देवी तालाब की सम्पूर्ण सफाई कार्य (तालाब के चारो तरफ की पार की सफाई, जलकुम्भी झाड़िया एवं अन्य अवांछनीय पेड़-पौधे तथा अपशिष्ट कचरा का टेंचिंग ग्राउंड रेंगाटोला में स्वयं की वाहन से परिवहन)	05 लाख	रू.5000/-	रू.2000/-	कार्य करने की अवधि - 01 माह एवं मेंटेनेंस - 01 वर्ष

नोटः-

निविदा से संबंधित समस्त जानकारी एवं निविदा की शर्ते ऑनलाईन पोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है एवं निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन केवल उक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र)

अब
न देरी,
न दूरी
मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान
अब सरकार हमारे द्वार
नामांतरण, सीमांकन व फाइलें अब अटकेंगी नहीं, होगा ऑन-द-स्पॉट क्लीयरेंस!
हर योग्य किसान को फार्मर ID और टॉप-क्वालिटी खाद-बीज की इंस्टेंट डिलीवरी
आयुष्मान कार्ड का 100% कवरेज + हॉस्पिटल्स का ऑन-ग्राउंड सरप्राइज ऑडिट
e-KYC और आधार कार्ड अपडेशन बिना किसी झंझट के तुरंत डन!
कुटीर व लोकल बिजनेस को N.O.C. और स्वीकृतियों का सुपरफ़ास्ट अप्रूवल
PM आवास, नल से जल, राशन और लॉ एंड ऑर्डर का स्ट्रिक्ट ऑन-स्पॉट चेक
लोक सेवा गारंटी प्रकरणों का शत-प्रतिशत समाधान, सरकारी कार्यप्रणाली का इवैल्यूएशन और जनसमस्याओं का क्विक सॉल्यूशन
आंगनवाड़ी सेवाओं व बच्चों के पोषण की निगरानी और स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा का मूल्यांकन
सड़क, तालाब, अमृत सरोवर और अन्य विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन
शुभारंभ
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा
छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश
D11073/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027
हर शुक्रवार, सरकार जनता के द्वार
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026

मोबाइल टावर लगाने का झांसा देकर बुजुर्ग दंपती से डकैती

सात राज्यों से जुड़े गिरोह का पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार, 2 फरार

रेकी कर बनाई थी लूट की पूरी साजिश, महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से बालाघाट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3.75 लाख का मशरूका बरामद

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम कुल्पा में मोबाइल टावर लगाने का झांसा देकर बुजुर्ग दंपती के घर दिनदहाड़े हुई सनसनीखेज डकैती का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में बालाघाट पुलिस ने महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की आमगांव पुलिस के सहयोग से अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कूटी, लूटे गए सोने-चांदी के जेवरात और नगदी सहित करीब 3.75 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है। पूरे मामले का खुलासा गुरुवार 6 अगस्त को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने किया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ग्राम कुल्पा निवासी शत्रुधन लिल्हारे ने थाना लांजी में शिकायत दर्ज कराई थी कि 25 जुलाई 2026 की दोपहर लगभग 1 से 1:30 बजे के बीच चार व्यक्ति मोबाइल टावर लगाने के लिए जमीन देखने के बहाने उनके घर पहुंचे। आरोपियों ने पहले आधार कार्ड और बैंक पासबुक देखने के नाम पर दंपती का विश्वास जीता। इसके बाद कागजी कार्रवाई का बहाना बनाकर दोनों पति-पत्नी को घर के अंदर ले गए और हथियारों के बल पर उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की। इसके बाद सोने-चांदी के जेवर, नगदी, मोबाइल फोन, आधार कार्ड और बैंक पासबुक लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना लांजी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में विशेष जांच टीम गठित की गई। अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम ने घटनास्थल से लेकर आमगांव मार्ग तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया। तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। जांच के दौरान महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की आमगांव पुलिस का महत्वपूर्ण सहयोग मिला, जिससे पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले आमगांव निवासी नितेश शेण्डे से पूछताछ की। पूछताछ में उसने धीरज फुण्डे और हेमंत फुण्डे के साथ कुछ अन्य लोगों की संलिप्तता की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर राजेश भोयर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान राजेश भोयर ने अपने साथियों धीरज फुण्डे, हेमंत फुण्डे, दीपक दास, शिवकुमार दास, रिंकू पासवान और विनोद पासवान के साथ मिलकर डकैती की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी धीरज फुण्डे, उसके चाचा हेमंत फुण्डे और राजेश भोयर ने घटना से पहले दो बार मोबाइल टावर लगाने के नाम पर फरियादी के घर जाकर पूरी रेकी की थी। उन्होंने घर की स्थिति, परिवार के सदस्यों, आने-जाने के रास्तों और आसपास के माहौल का बारीकी से अध्ययन किया। इसके बाद धीरज फुण्डे ने अपने परिचित दीपक दास को पश्चिम बंगाल से बुलाया। दीपक अपने साथ शिवकुमार दास, रिंकू पासवान और विनोद पासवान को लेकर आमगांव पहुंचा। सभी आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से दिनदहाड़े डकैती की वारदात को अंजाम दिया और घटना के बाद लूटे गए जेवरात एवं नगदी का आपस में बंटवारा कर लिया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि विवेचना के दौरान कुल सात आरोपियों की संलिप्तता प्रमाणित हुई है। अब तक राजेश भोयर, दीपक दास और शिवकुमार दास को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी धीरज फुण्डे और हेमंत फुण्डे वर्तमान में महाराष्ट्र पुलिस की रिमांड पर हैं। न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें बालाघाट लाकर पूछताछ की जाएगी। वहीं रिंकू पासवान और विनोद पासवान अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की विशेष टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी (कीमत लगभग 50 हजार रूपये), चांदी की करधनी, तीन चांदी के कड़े, सोने की दो जोड़ी बालियां, सोने का पेंडल तथा 50 हजार रूपये नगद सहित कुल लगभग 3.75 लाख रूपये का मशरूका बरामद किया है। प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि यह मामला आम नागरिकों के लिए भी बड़ी सीख है। आजकल अपराधी मोबाइल टावर, बैंक अधिकारी, बिजली विभाग, सर्वे टीम या सरकारी योजना के नाम पर लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करते हैं। इसलिए किसी भी अपरिचित व्यक्ति को बिना पहचान और सत्यापन के घर में प्रवेश न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐसे संगठित अपराधों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

कई राज्यों में चोरी, डकैती के गंभीर आपराधिक प्रकरण हैं दर्ज

इस मामले में थाना लांजी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 309(6), 311, 310(2), 333 एवं 3(5) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम शिसला पातुली निवासी 42 वर्षीय दीपक दास, झारखंड के देवघर जिले के जसेडी थाना क्षेत्र के बसवाडी निवासी 51 वर्षीय शिवकुमार दास तथा महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के आमगांव निवासी 42 वर्षीय राजेश भोयर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी शातिर एवं पेशेवर अपराधी हैं। इनके खिलाफ मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, झारखंड सहित अन्य राज्यों में चोरी, डकैती और कई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास का विस्तृत सत्यापन कर रही है। वहीं फरार आरोपियों विनोद पासवान और रिंकू पासवान के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान इस अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़ी कई अन्य वारदातों और उसके नेटवर्क का भी खुलासा होने की संभावना है।

दोस्ती की आड़ में टाटा पंच पर डाला हाथ, नकली चाबी बनवाकर रची लाखों की चोरी की साजिश, चार आरोपी गिरफ्तार

भटेरा से रातों-रात चोरी हुई कार पुलिस ने 6 दिन में बरामद की, मुख्य आरोपी निकला पीड़ित का करीबी दोस्त, महंगे शौक पूरे करने के लिए रची थी वारदात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के भटेरा चौकी क्षेत्र में घर के सामने खड़ी टाटा पंच कार की चोरी का मामला पुलिस ने महज छह दिनों में सुलझा लिया है। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि चोरी की पूरी साजिश किसी पेशेवर गैंग ने नहीं, बल्कि फरियादी के करीबी दोस्त ने ही रची थी। आरोपी ने पहले दोस्त की कार की नकली चाबी तैयार करवाई और फिर अपने साथियों के साथ मिलकर रात के अंधेरे में लाखों रुपये की कार चोरी कर उसे बेचने की योजना बना डाली। हालांकि कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण ने आरोपियों की पूरी साजिश पर पानी फेर दिया। इस मामले का खुलासा गुरुवार 6 अगस्त को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने किया। उन्होंने बताया कि कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह गुर्जर के नेतृत्व में गठित टीम ने लगातार जांच करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई टाटा पंच कार भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार शिवायु पिता सुधीर पटले, निवासी ग्राम पोंडी (जिला मंडला), वर्तमान निवासी वार्ड क्रमांक-2, सेंट मेरी स्कूल के पास भटेरा, ने 31 जुलाई को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 30 जुलाई की रात उसने अपनी टाटा पंच कार क्रमांक MP-51-ZE-0469 घर के सामने खड़ी की थी, लेकिन सुबह उठने पर कार गायब थी। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली में धारा 303(2) एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वाहन चोरी की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ग्राम अमोली पहुंची और वहां से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी गई टाटा पंच कार भी बरामद कर ली गई। पूछताछ में सामने आया कि इस वारदात का मास्टरमाइंड धनेश उर्फ लक्की उर्फ राजा कटरे था, जो फरियादी का करीबी मित्र था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पहले ही योजनाबद्ध तरीके से कार की नकली चाबी तैयार करवा ली थी। इसके बाद अपने साथियों कपिल चौधरी, अनुराग सोनवाने और आशीष रिनायत के साथ मिलकर घर के सामने खड़ी कार चोरी कर ली। आरोपियों की योजना वाहन को बेचकर मोटी रकम हासिल करने और अपने महंगे शौक पूरे करने की थी, लेकिन पुलिस ने समय रहते पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों में धनेश उर्फ लक्की उर्फ राजा कटरे (20 वर्ष) निवासी ग्राम ढूटी, थाना लामता, जो वर्तमान में सेंट मेरी स्कूल के पास भटेरा में रहता था, कपिल चौधरी (22 वर्ष) निवासी ग्राम अमोली, अनुराग सोनवाने (20 वर्ष) निवासी ग्राम अमोली तथा आशीष रिनायत (23 वर्ष) निवासी ग्राम अमोली थाना लमता शामिल हैं। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि इस सफलता में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह गुर्जर, उपनिरीक्षक भुनेश ठाकरे, प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, रामकिशोर पटले, नंदकिशोर टेकाम, आरक्षक शेख शहजाद, प्रियांक श्रीवास, ईश्वरचंद विद्यासागर, चंद्रभान गुर्जर, विवेक तिवारी, हेमंत बसेने तथा साइबर सेल के जय भगत और ऋषिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाई का शव लेकर लौट रहे युवक को ट्रक ने मारी टक्कर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पहले से गम में डूबे एक परिवार की मुश्किलें और बढ़ा दीं। जिला अस्पताल से अपने छोटे भाई का शव लेकर घर लौट रहे युवक को रास्ते में एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अगस्त को ग्राम मोहगांव बैजू निवासी अंकुर नेवारे पिता भाऊदास नेवारे 30 वर्ष का छोटा भाई रोहित नेवारे 25 जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान दम तोड़ चुका था। परिजन रोहित का शव वाहन से गांव लेकर जा रहे थे।जबकि अंकुर अपनी बाइक से पीछे-पीछे घर लौट रहा था।दोपहर करीब 12 बजे भौरगढ़ और किन्ही के बीच उसकी बाइक की एक तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और अंकुर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर और पैर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।घटना की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल डायल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को खैरलांजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। अस्पताल में उसका उपचार जारी है।पुलिस ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट